● वर्ष : 17 ● अंक : 241 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

WWW.LKSTV.IN

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 21 जून 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

पीएम ने ओडिशा में 47,600 करोड़ के प्रोजेक्ट्स लांच किए

राष्ट्रपति मुर्मु के ससुराल को सोलर गाँव बनाने की घोषणा

एजेंसी। मयूरभंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के मयूरभंज जिले में 47,600 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ससुराल पहाड़पुर गाँव को सोलर गाँव के रूप में विकसित करने की घोषणा की। यह कार्यक्रम राज्य में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ था, जिसमें मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति मुर्मू के 68वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें शुभकामनाएँ देकर कहा कि उन्होंने केवल मयूरभंज ही नहीं, बल्कि पूरे ओडिशा की पहचान को मजबूत किया है। पीएम मोदी राष्ट्रपति के साथ उनके ससुराल पहाड़पुर भी गए, जहाँ उन्होंने कौशल प्रशिक्षण हब में छात्राओं से बातचीत की। उन्होंने संथाल समुदाय के पवित्र स्थल संथाली जाहेरा और हो जाहेरा में भी पूजा-अर्चना की। पहाड़पुर को सोलर गाँव बनाने की घोषणा कर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हर घर तक सौर ऊर्जा पहुँचाई जाएगी और इस कोणार्क सूर्य मंदिर की तरह एक नए आदर्श गाँव के रूप में पहचान मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में ओडिशा को उत्सव और विकास दोनों का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि 2036 में ओडिशा के गठन के 100 साल और 2047 में देश की आज़ादी के 100 साल पूरे होने वाले और ओडिशा का विकास ही विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करेगा। कांग्रेस पर निशाना साधकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनके शासनकाल में पूर्वी भारत पिछड़ेपन का प्रतीक रहा, लेकिन अब यह क्षेत्र विकास का नया प्रवेश द्वार बन रहा है। उन्होंने बताया कि ओडिशा में लगभग 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं। इस दौर के दौरान जिन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया, उनमें 600 मेगावॉट का अपर इंद्रावती पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट, आईबी थर्मल पावर स्टेशन का स्टेज-II विस्तार, और झारसुगुड़ा में भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, भुवनेश्वर में 300 टन क्षमता वाले कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट और काठाजोड़ी नदी पुल का भी उद्घाटन हुआ। सड़क और रेलवे क्षेत्र में भी कई महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट समर्पित किए गए, जिसमें एनएच-353 का नुआपाड़ा-घाटीपाड़ा फोरलेन और 732 करोड़ से अधिक लागत वाले दो मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे प्रोजेक्ट प्रमुख हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और शहरी विकास से संबंधित अन्य परियोजनाओं में इग्नू का क्षेत्रीय केंद्र, 300 बिस्तरों वाला अस्पताल भवन और 24 अटल बस स्टैंड शामिल थे। बता दें कि शुक्रवार को खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति मुर्मू को हेलिकॉप्टर के बजाय सड़क मार्ग से ओडिशा पहुँचना पड़ा था।

भारत मंडपम में आज को योग कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय रविवार को भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर "स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग" कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इसमें करीब 1500 वरिष्ठ नागरिक भाग लेंगे। मंत्रालय के अनुसार यह कार्यक्रम कल सुबह 11 बजे से भारत मंडपम में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के राष्ट्रव्यापी समारोहों के अंतर्गत आयोजित किया जाएगा। स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के बीच सक्रिय, स्वस्थ वृद्धावस्था, कल्याण, स्वतंत्रता और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देना रहेगा। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सामूहिक योगाभ्यास और सचेत जीवन, आंतरिक सद्भाव, भावनात्मक कल्याण और स्वस्थ वृद्धावस्था पर केंद्रित आध्यात्मिक प्रवचन शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि देशभर में 2026 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्सव मनाने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। ऐसे में यह मंत्रालय देशभर के वरिष्ठ नागरिकों से एक स्वस्थ और अधिक समावेशी समाज की दिशा में इस सामूहिक आंदोलन में भाग लेने का आह्वान करता है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सोशल मीडिया और न्यायपालिका?

पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर सामग्री हटाने, अकाउंट ब्लॉक करने और ऑनलाइन कंटेंट पर नियंत्रण को लेकर बहस लगातार तेज हुई है। सरकार का तर्क है, फेक न्यूज, डीपफेक, सांप्रदायिक तनाव, साइबर अपराध और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों से निपटने के लिए सख्त नियमन आवश्यक हैं। दूसरी ओर डिजिटल अधिकार कार्यकर्ता, विपक्षी दल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म जिसमें अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं हैं, इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और पारदर्शिता से जोड़कर देख रही हैं।

हाल ही में नीट परीक्षा को लेकर टेलीग्राम पर सरकार ने प्रतिबंध लगाया है, इस प्रतिबंध को लेकर टेलीग्राम ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, हाईकोर्ट ने प्रतिबंध को जायज ठहराया है। जबकि इस परीक्षा से टेलीग्राम का कोई लेना-देना नहीं था। इसके पहले भी अनेक मामलों को लेकर कई सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगा, लेकिन कानूनी रूप से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से भी इन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को जो न्याय मिला है उसको लेकर बेचैनी देखने को मिल रही है। हाल के महीनों में केंद्र सरकार द्वारा जारी कंटेंट ब्लॉकिंग आदेशों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन सामग्री को हटाने के सरकारी आदेश एक वर्ष में लगभग दोगुने होकर 24 हजार तक पहुंच गए हैं। इनमें सबसे अधिक कार्रवाई एक्स पूर्व में ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम से संबंधित सामग्री पर कार्यवाही हुई है।

सोशल मीडिया कंपनियों और सरकार के बीच टकराव का सबसे चर्चित उदाहरण एक्स और केंद्र सरकार के बीच चला विवाद है। एक्स ने सरकार की नई कंटेंट-हटाने की नीति को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया। इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा मुद्दा बताया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सरकार के पक्ष में फैसला देते हुए कहा कि भारत में कार्यरत डिजिटल प्लेटफॉर्मों को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा। अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों का कहना है कि यह ऐसे कानून हैं जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सोशल मीडिया कंपनियों की परेशानियों को बढ़ाने वाले हैं। इसी प्रकार हाल में टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को लेकर भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर असंतोष देखने को मिल रहा है। भारत सरकार ने इसे कथित परीक्षा-पत्र लीक और धोखाधड़ी रोकने के लिए आवश्यक कदम बताया है। जबकि टेलीग्राम ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए इसे अभिव्यक्ति और सूचना तक पहुंच के अधिकार पर आघात बताया है। सरकार के इस प्रतिबंध से लगभग 15 करोड लोगों की सेवाएं बंद हुई हैं, लेकिन टेलीग्राम को इस मामले में न्यायपालिका से कोई न्याय नहीं मिला। यहीं से बहस का दूसरा पक्ष शुरू होता है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

क्रिप्टो की आड़ में 2,500 करोड़ का विदेशी धन ट्रांसफर नेटवर्क ध्वस्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से संचालित हो रहे विशाल अवैध विदेशी धन हस्तांतरण नेटवर्क का खुलासा किया है। जांच एजेंसी का दावा है कि कुछ कंपनियां भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी के बिना चुपचाप विदेशों में पैसा भेजने और मंगाने के काम में लगी थीं, जिसमें शुरुआती जांच में 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के फेमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) उल्लंघन का खुलासा हुआ है। इस मामले में ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने शहर के 6 ठिकानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की। ईडी की जांच के दायरे में ट्रांसैक टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कैरेटएक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, मोक्शाग्ना टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, बायहाटके इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड और अभिभा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड जैसी कई कंपनियां हैं। ईडी के मुताबिक, ये कंपनियां इंटरनेट पर विदेशी पैसे के लेन-देन का एक आसान तरीका बताकर विज्ञापन करती थीं, जबकि इनके पास अंतर्राष्ट्रीय मनी ट्रांसफर जैसी सेवाएं देने के लिए आरबीआई की कोई अनुमति नहीं थी। ग्राहक कुछ ही क्लिक में पैसा भेजने और हासिल करने में सक्षम थे, लेकिन इन सभी लेनदेन के पीछे नियामक नियमों की घोर अनदेखी हो रही थी।

शशि थरूर ने फिर बढ़ाई कांग्रेस की मुश्किलें, भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर मोदी के संदेश का किया समर्थन

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर अपने बयान से भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका दे दिया है। थरूर ने ईरान युद्ध में भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जी-7 सम्मेलन के संदेश का समर्थन किया है। थरूर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस प्रधानमंत्री पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान चुप रहने का आरोप लगा रही है। थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नाविकों की सुरक्षा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत की चिंताओं से अवगत कराया और इस बात पर जोर दिया कि युद्धकाल में नाविकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के साथ सार्वजनिक और निजी दोनों बैठकों में अपना रुख स्पष्ट कर दिया। यह संदेश देना महत्वपूर्ण है कि युद्धकाल में वाणिज्यिक जहाजों पर तैनात नागरिक नाविकों को युद्ध का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर ट्रंप के साथ उनकी मुलाकात को लेकर निशाना साधा था। पार्टी ने आरोप लगाया था कि ओमान की खाड़ी में जहाज पर हुए हमले में 3 भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा प्रधानमंत्री ने ट्रंप के सामने नहीं उठाया। कांग्रेस ने कहा कि घटना को लेकर बढ़ते आक्रोश के बावजूद प्रधानमंत्री इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाने में विफल रहे और अमेरिका से माफी या खेद व्यक्त करने की मांग क्यों नहीं की गई। थरूर की टिप्पणी ने भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका दे दिया। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए थरूर की खुलेआम प्रशंसा ने राहुल गांधी को बेनकाब कर दिया है।

अब नॉर्दन कमांड में चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभालेंगे हितेश भल्ला

नई दिल्ली। भारतीय सेना की 14वीं कोर के मौजूदा कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला अब नॉर्दन कमांड में चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी जगह 14वीं कोर के कमांडर की जिम्मेदारी मेजर जनरल मदनराज पांडे लेंगे, जो जल्द ही पद संभालेंगे। उनका प्रमोशन हो गया है और लेफ्टिनेंट जनरल के तौर पर वे कोर कमांडर बनेंगे। पिछले महीने ही भारत-चीन सीमा मामलों पर बातचीत और समन्वय के लिए बने वर्किंग मैकेनिज्म की बैठक हुई थी, जिसके बाद उम्मीद है कि जल्द ही ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी का मसला सुलझाने के लिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच कोर कमांडर स्तर की बैठक हो सकती है। पिछले साल अक्टूबर में कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई थी। लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला के कोर कमांडर रहते भारत-चीन के बीच गतिरोध में एक अहम मोड़ भी आया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो पहले चार जगहों से डिसइंगेजमेंट हो गया था और दोनों देशों की सेना कुछ पीछे चली गई थी लेकिन वहां अभी नो-पेट्रोलिंग जोन बने हुए हैं। 21 अक्टूबर 2024 को भारत और चीन के बीच देपसांग और डेमचॉक में गतिरोध खत्म करने को लेकर सहमति बनी थी। तब कोर कमांडर स्तर की बैठक लगातार कुछ हफ्तों तक चली थी। देपसांग और डेमचॉक के उन सभी सात पॉइंट्स पर दोनों तरफ की सेनाएं पेट्रोलिंग कर रही हैं जहां अप्रैल 2020 से पहले पेट्रोलिंग होती रही है। इसमें देपसांग के पांच पॉइंट और डेमचॉक के दो पेट्रोलिंग पॉइंट शामिल हैं।

निवेश घोटाले में नवहेरा शेख और हीरा ग्रुप की 23 संपत्तियां 159 करोड़ में नीलाम

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 5,978 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश घोटाले के आरोपी नवहेरा शेख और हीरा ग्रुप ऑफ कंपनीज से जुड़ी 23 अचल संपत्तियों को नीलाम कर दिया है। इन संपत्तियों का मूल्य लगभग 159 करोड़ रुपये है। ईडी ने बताया कि एजेंसी के हैदराबाद जोनल कार्यालय ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के तहत नीलामी 19 जून को मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमएसटीसी) के माध्यम से की। इससे पहले एजेंसी ने नवहेरा शेख और हीरा ग्रुप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। आरोप है कि उन्होंने आम लोगों से 5,978 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ऊंचे रिटर्न का वादा कर निवेश के रूप में जुटाई, लेकिन मूलधन तक वापस नहीं किया और देशभर के निवेशकों को धोखा दिया। ईडी ने बताया कि नीलामी से प्राप्त राशि का उपयोग उच्चतम न्यायालय की देखरेख में वास्तविक पीड़ितों को लौटाने और मुआवजा देने में किया जाएगा। एजेंसी ने बताया कि जांच के दौरान नवहेरा शेख ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन नहीं किया। इस पर अदालत ने उनकी जमानत रद्द कर दी। इसके बाद विशेष पीएमएलए अदालत, हैदराबाद ने 7 मई को उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। ईडी ने 21 मई को उन्हें गुरुग्राम से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। नवहेरा शेख की निजी सहायक नाजनीन अंसारी उर्फ अबीदा भी अपराध की आय से जुड़ी संपत्तियों के कब्जे और उपयोग में शामिल पाई गईं। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के आदेशों की जानकारी होने के बावजूद नीलामी प्रक्रिया में बाधा डाली और संपत्तियों को अप्रभावित दिखाने की कोशिश की। उन्हें भी गिरफ्तार कर विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। ईडी ने कहा कि वह अपराध की आय को प्रभावी ढंग से संलग्न, जब्त और नीलाम करने तथा धोखा खाए निवेशकों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मामले की आगे की जांच जारी है।

इतिहास में पहली बार एफएटीएफ का उपाध्यक्ष बना भारत, विवेक अग्रवाल को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कूटनीति और वित्तीय नजरिए से भारत को एक अहम उपलब्धि हासिल हुई है। इतिहास में पहली बार भारत को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया है। इसके साथ ही पेरिस स्थित संगठन के मुख्यालय में केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल को एफएटीएफ का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। एफएटीएफ एक वैश्विक संस्था है, जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने के लिए मानक निर्धारित करती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, एफएटीएफ में भारत के लिए बड़ी जीत! चूंकि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस की नीति का समर्थन करता रहा है, इसलिए यह नेतृत्वकारी भूमिका वैश्विक आतंकवादी फंडिंग नेटवर्क से निपटने और गैर-कानूनी वित्तीय प्रणालियों को खत्म करने पर हमारे लगातार फोकस को और मजबूत करती है। एफएटीएफ में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के पूर्व प्रमुख के तौर पर अग्रवाल की गहरी विशेषज्ञता, वित्तीय अखंडता सुनिश्चित करने के एफएटीएफ के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी।

केंद्र सरकार पर लट्टू हुई टीएमसी सांसद महुआ, करने लगीं तारीफ

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी आंतरिक घमासान और बगावती सुरों के बीच, पार्टी की तेजतर्रार नेता और सांसद महुआ मोइत्रा के एक ट्वीट ने पश्चिम बंगाल के राजनीतिक गलियारों में अचानक हलचल मचा दी है। यह हलचल इसलिए और बढ़ गई है क्योंकि उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लिखे गए एक पत्र की तस्वीर साझा करते हुए केंद्र सरकार की अप्रत्याशित रूप से सराहना की है। मोइत्रा के इस कदम के बाद कयासों का बाजार गर्म है कि क्या वे भी टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी का साथ छोड़कर टीएमसी के बागी नेताओं की सूची में शामिल हो सकती हैं, विशेषकर तब जब हाल के दिनों में उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा और उसके नीतियों की जमकर आलोचना की थी। बता दें कि टीएमसी के 29 में से 20 लोकसभा सांसद ममता बनर्जी का साथ छोड़ चुके हैं, जिनमें युसूफ पठान जैसे नाम भी शामिल हैं। इतने बड़े पैमाने पर दलबदल ने पार्टी को कमजोर किया है, और अभिषेक बनर्जी ने स्पीकर ओम बिरला से मिलकर इन सदस्यों की सदस्यता रद्द करने की मांग भी की थी।

नीट री-एग्जाम से पहले देशभर में मॉक ड्रिल, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एजेंसी। नई दिल्ली

नागपुर के छात्र को मिला अबू धाबी सेंटर, शिकायत पर एनटीए ने किया सुधार

नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम के सफल और निष्पक्ष आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को देशभर में व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की। परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पुलिस, जिला प्रशासन तथा केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। नीट परीक्षा के सबंध में अधिकारियों का कहना था, कि परीक्षा केंद्रों पर निगरानी, प्रवेश व्यवस्था और प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। इस बीच कुछ अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्रों के आवंटन में गड़बड़ी की शिकायत की है। नागपुर के छात्र अब्दुल्ला मोहम्मद तालिब को जारी एडमिट कार्ड में भारत के बजाय अबू धाबी (यूएई) का परीक्षा केंद्र आवंटित कर दिया गया था। वहीं भुवनेश्वर की छात्रा संजना संजीवनी को देहरादून में केंद्र दिया गया। शिकायतों के बाद एनटीए ने दोनों मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए परीक्षा केंद्रों में संशोधन कर दिया। एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने इसकी पुष्टि की है। रविवार, 21 जून को आयोजित होने वाली री-एग्जाम में देशभर से 22.79 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए भारत के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में 5,000 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा संचालन के लिए 2 लाख से ज्यादा कर्मियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा 674 सिटी कोऑर्डिनेटर और 6,669 ऑब्जर्वर परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। एनटीए के अनुसार परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक पेन-एंड-पेपर मोड में आयोजित होगी। दिव्यांग और बेंचमार्क दिव्यांगता श्रेणी के पात्र अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय दिया जाएगा और वे शाम 6:20 बजे तक परीक्षा लिख सकेंगे। गौरतलब है कि 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने तथा कुछ अभ्यर्थियों को पहले से प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के आरोप सामने आए थे।

राष्ट्रपति मुर्मु को जन्मदिन पर प्रधानमंत्री, ओम बिरला और अमित शाह समेत शीर्ष नेताओं ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राष्ट्रपति के साहस, सादगी, विनम्रता और सार्वजनिक सेवा के प्रति अटूट समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनका जीवन देशवासियों के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जन्मदिन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत शीर्ष नेताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने राष्ट्रपति मुर्मु के संघर्षपूर्ण जीवन, सादगी, संवैधानिक मूल्यों के प्रति निष्ठा और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि साधारण परिवेश से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक की उनकी प्रेरणादायी यात्रा करोड़ों भारतीयों, विशेषकर महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के लिए आशा, परिश्रम और संकल्प का सशक्त संदेश है। उन्होंने राष्ट्रपति के गरिमामय नेतृत्व और विकसित भारत के निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रेरणास्रोत बताया। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति मुर्मु के कार्यकाल को नारी सम्मान, जनकल्याण और राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में उपलब्धियों से भरा बताया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन समाज सेवा और लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित किया है तथा समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अनुकरणीय है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान राष्ट्रपति की यात्रा को भारतीय लोकतंत्र की शक्ति का प्रतीक बताया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति के सादगीपूर्ण जीवन, जनजातीय समाज के उत्थान के प्रति उनके समर्पण और संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी निष्ठा को देशवासियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

खान सर को गिरफ्तारी से राहत: कोर्ट में केस डायरी हुई जमा

पटना। मशहूर ऑनलाइन शिक्षक और यूट्यूबर फैजल खान, जिन्हें खान सर के नाम से पूरा देश जानता है, को पटना की अदालत से एक बार फिर महत्वपूर्ण राहत मिली है। उनकी गिरफ्तारी पर लगी रोक को अग्रिम जमानत याचिका की अगली सुनवाई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। पटना के जिला एवं सत्र न्यायालय में शनिवार को पटना पुलिस ने इस मामले से जुड़ी अपनी केस डायरी पेश की। अदालत ने पुलिस की रिपोर्ट को संज्ञान में लेते हुए मामले की अगली सुनवाई 25 जून को तय की है, तब तक खान सर को गिरफ्तार नहीं किया जा सकेगा। यह फैसला उनके समर्थकों और छात्रों के लिए एक बड़ी खबर है, जो पिछले कुछ समय से उनकी कानूनी स्थिति को लेकर चिंतित थे। यह पूरा मामला बीते 2 जून की रात पटना के मुसल्लहपुर स्थित खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग सेंटर के बाहर हुई फायरिंग की घटना से जुड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रौशन आनंद की खान बिंदु एकेडमी से जुड़े विवाद के दौरान खान सर पर आरोप है कि उनके दो निजी गार्डों, प्रदीप कुमार और तालेबर सिंह, ने हवा में फायरिंग की थी। इस घटना के बाद, कदमकुआं थाने में फैजल खान को आरोपी बनाते हुए एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके बाद से उनकी गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल विधानसभा में जुल्फिकार अली कांग्रेस विधायक दल के नेता, मोताब शेख उपनेता नियुक्त

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में पार्टी विधायक दल के नेता और उपनेता की नियुक्ति की शनिवार को घोषणा की।कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने आधिकारिक पत्र साझा कर बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तत्काल प्रभाव से जुल्फिकार अली को कांग्रेस विधायक दल का नेता और मोताब शेख को उपनेता नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय संगठनात्मक मजबूती और विधानसभा में पार्टी की भूमिका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लिया गया है।

शराब और नशे की लत ने उजाड़ा परिवार, पिता की पिटाई से 2 साल के बेटे की मौत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में घरेलू विवाद के दौरान पिता की बेरहमी का शिकार हुए दो साल के मासूम ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी शराब और नशे का आदी है।पुलिस के मुताबिक, 19 जून को दोपहर करीब 1:30 बजे जैतपुर थाना पुलिस को पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना में मिथापुर स्थित लखपत कॉलोनी पार्ट-2 में एक परिवार के साथ मारपीट की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां रहने वाली आरती ने पुलिस को बताया कि उसके पति चंदन शर्मा ने घरेलू विवाद के बाद उसके साथ और दोनों नाबालिग बच्चों के साथ बेरहमी से मारपीट की।मारपीट में गंभीर रूप से घायल दो वर्षीय बेटे को तुरंत सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन इलाज के दौरान 20 जून की सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, आरोपित चंदन शर्मा पेशे से बढ़ई है और शराब व नशे का आदी है। घटना के बाद जैतपुर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और किशोर न्याय अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है। बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि घटना के समय आरोपित नशे की हालत में था या नहीं।

मंत्री आशीष सूद ने नीट परीक्षा केंद्र सीएम श्री स्कूल का किया दौरा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की दोबारा परीक्षा से पहले शनिवार को पंडारा रोड स्थित परीक्षा केंद्र सीएम श्री स्कूल का दौरा किया।मंत्री आशीष सूद ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्रालय 21 जून को होने वाली परीक्षा को बहुत सावधानी और सतर्कता के साथ आयोजित कर रहा है। दिल्ली सरकार की ओर से हमने हर परीक्षा केंद्र पर एक 'कूलिंग जोन' बनाया है ताकि भीषण गर्मी में बाहर आने वाले अभिभावकों को राहत मिल सके। इससे उन्हें आराम से समय बिताने और उनकी चिंता कम करने में भी मदद मिलेगी, क्योंकि उनमें से कई लोग इन केंद्रों तक पहुंचने के लिए दूर-दराज के इलाकों से आते हैं। दिल्ली के सभी 97 परीक्षा केंद्रों पर पर लगभग 2,000 वर्ग फुट के क्षेत्र में पानी, शिकंजी और अन्य सुविधाओं का इंतजाम किया है। उन्होंने कहा कि वे इन इंतजामों का जायजा लेने के लिए स्थानीय एसडीएम (उप-विभागीय मजिस्ट्रेट) के साथ यहां की तैयारियों का निरीक्षण कर रहे हैं और शाम को एक और निरीक्षण करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आने वाले सभी अभिभावकों, खासकर दूर से आने वालों को बेहतरीन सुविधाएं मिलें। दिल्ली सरकार ओर से हम सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हैं और उन्हें भरोसा दिलाना चाहते हैं कि वे बिना किसी चिंता के ये परीक्षाएं दे सकते हैं।

अबू धाबी परीक्षा केंद्र आवंटन पर एनटीए ने कहा- उम्मीदवार के लॉगिन से ही किया गया था शहर परिवर्तन

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नागपुर के एक अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र के रूप में अबू धाबी आवंटित किए जाने को लेकर शनिवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि परीक्षा शहर में बदलाव उम्मीदवार के स्वयं के पंजीकृत लॉगिन के माध्यम से किया गया था और एजेंसी के रिकॉर्ड में एक ही उपयोगकर्ता द्वारा लगातार एक्सेस किए जाने का पैटर्न दर्ज है।एनटीए ने कहा कि 21 जून को निर्धारित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की परीक्षा के पुनर्निर्धारण के बाद अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा शहर संशोधन (सिटी करेक्शन) विंडो दोबारा खोली गई थी। इस दौरान लगभग 3.2 लाख अभ्यर्थियों ने अपने परीक्षा शहर में संशोधन किया और उनमें से 99.5 प्रतिशत से अधिक को उनकी पसंद का परीक्षा शहर आवंटित किया गया।एजेंसी के अनुसार संबंधित मामले में 'अबू धाबी' परीक्षा केंद्र का चयन अभ्यर्थी के पंजीकृत लॉगिन से ही किया गया था। वेब गतिविधि रिकॉर्ड से यह भी स्पष्ट होता है कि संशोधन प्रक्रिया के दौरान एक ही उपयोगकर्ता द्वारा लगातार लॉगिन और एक्सेस किया गया।एनटीए ने बताया कि उसके रिकॉर्ड के अनुसार तीन अलग-अलग अवसरों पर अबू धाबी केंद्र से संबंधित गतिविधि दर्ज की गई। एक बार अभ्यर्थी के क्रेडेंशियल्स का उपयोग कर परीक्षा केंद्र को अबू धाबी में बदला गया, जबकि दो अन्य अवसरों पर उम्मीदवार ने यह पूर्वावलोकन (प्रीव्यू) भी देखा कि उसका परीक्षा केंद्र अबू धाबी दर्शाया जा रहा है।इसके बावजूद एजेंसी को 19 जून की शाम परीक्षा से केवल 48 घंटे पहले केंद्र को नागपुर में बदलने का एक अनौपचारिक अनुरोध प्राप्त हुआ। एनटीए ने कहा कि अनुरोध मिलते ही उसके अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और उसी शाम अभ्यर्थी के पिता से संपर्क कर औपचारिक प्रक्रिया पूरी कराने में सहायता प्रदान की।एजेंसी ने कहा कि अभ्यर्थी के अनुरोध को स्वीकार करते हुए परीक्षा केंद्र परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी की गई, ताकि उम्मीदवार को परीक्षा में शामिल होने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। एनटीए ने दोहराया कि उसकी प्राथमिकता 'स्टूडेंट-फर्स्ट' दृष्टिकोण के तहत यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी शंका के कारण कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित न रहे।एजेंसी ने कहा कि सभी मामलों में अभ्यर्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है और आवश्यकता पड़ने पर समयबद्ध तरीके से सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

आईपीयू के एमपीएच प्रोग्राम की ऑफलाइन काउंसलिंग 25 जून को

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) के मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (एमपीएच) प्रोग्राम में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली पहली ऑफलाइन काउंसलिंग 25 जून को द्वारका कैंपस में आयोजित की जाएगी। आईपीयू ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि ऑफलाइन काउंसलिंगमें 25 जून को ही आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के उपरांत मेरिट के आधार पर सीटों का भी आवंटन कर दिया जाएगा।आईपीयू के अनुसार इस प्रोग्राम के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा के सभी सफल उम्मीदवार इस काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं।काउंसलिंग के दिन विश्वविद्यालय कुलसचिव के नाम से निर्गत 60 हजार रुपये का बैंक ड्राफ्ट, चार पासपोर्ट आकार के फोटो, सीईटी का एडमिट कार्ड और रैंक कार्ड, ऑनलाइन भरा हुआ फॉर्म, जन्म तिथि का प्रमाण पत्र, इत्यादि साथ लाना हैं। आईपीयू ने कहा कि 412 कोड वाले इस प्रोग्राम की काउंसलिंग के बाद आवंटित सीट एक जुलाई तक निरस्त किए जा सकते हैं। यह प्रोग्राम विश्वविद्यालय से संबद्ध नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल में उपलब्ध है। इसकी कुल सीटें 20 हैं।

केंद्र एवं दिल्ली सरकार की उपलब्धियों को लेकर भाजपा का घर-घर सम्पर्क अभियान सम्पूर्ण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्र एवं दिल्ली सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चलाये जा रहे घर-घर सम्पर्क अभियान के अंतिम दिन शनिवार को प्रातः दिल्ली भाजपा के संगठन महामंत्री पवन राणा ने गांधी मार्किट, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर घर-घर जा कर लोगों से चर्चा की। दिल्ली भाजपा के सह कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता एवं अन्य स्थानीय कार्यकर्ता भी सम्मिलित हुए।राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली गेट वार्ड की समिति 115 एवं 116 में घर-घर जा मोदी सरकार एवं दिल्ली की भाजपा सरकार की उपलब्धियों को लोगों के बीच रखा।चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने चांदनी चौक विधानसभा के सिविल लाइन वार्ड में घर-घर सम्पर्क अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक एवं विशिष्ट कवि सुरेंद्र शर्मा के घर जाकर मोदी सरकार एवं दिल्ली सरकार की उपलब्धियों पर उनसे चर्चा की।उत्तर पूर्व दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने बाबरपुर विधानसभा के गोरख पार्क में स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क अभियान चलाया।पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मयूर विहार फेज- एक में जनसंपर्क अभियान चला कर केन्द्र सरकार की उपलब्धियों के पत्रक वितरित किये।प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ प्रीत विहार मंडल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों के पत्रक घर-घर जा कर वितृत किये।प्रदेश महामंत्री एवं सांसद योगेन्द्र चांदोलिया ने नरेला बखतावरपुर में स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ जनसम्पर्क अभियान को आगे बढ़ाया। विधायक राजकरन खत्री और निगम पार्षद सुमित चौहान भी सम्मिलित हुए।प्रदेश महामंत्री एवं सांसद कमलजीत सहरावत ने विधायक प्रदुमन राजपूत के साथ सागरपुर, द्वारका विधानसभा में घर घर सम्पर्क अभियान चलाया।दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने शिवविहार के पोलिंग बूथ 63 पर पत्रक वितरित किये। दिल्ली जलबोर्ड उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने ग्रीन पार्क मार्किट में जनसम्पर्क अभियान को आगे बढ़ाया। दिल्ली सरकार की पब्लिक आकउंट कमेटी के अध्यक्ष अजय महावर ने यमुना विहार भजनपुरा में घर घर सम्पर्क अभियान के अंतर्गत मोदी सरकार की उपलब्धियों के पत्रक बांटे।केन्द्र की मोदी सरकार की 12 वर्ष की उपलब्धियों के साथ ही दिल्ली सरकार की उपलब्धियों को लोगों के बीच लेकर जाने वाली टोली के संयोजक विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष राज कुमार भाटिया ने कहा कि तीन दिवसीय घर-घर सम्पर्क अभियान के अंतर्गत नेता एवं कार्यकर्ता लगभग 12.50 लाख परिवारों तक पहुंचे। इसके आलावा विशिष्ट जन अभियान के अंतर्गत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, सांसद एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने 1348 प्रबुद्ध विशिष्ट जनों से सम्पर्क किया।

अमेरिका ने जी7 समिट के दौरान भारत विरोधी काम किए, लेकिन मोदी ने नहीं किया पलटवार : कांग्रेस

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि फ्रांस के एवियन में 15-17 जून तक आयोजित जी-7 शिखर सम्मलेन के दौरान अमेरिका द्वारा 'यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड' का नाम बदलने, नक्शे में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाने और भारतीयों के लिए वीजा बंद करने जैसे भारत विरोधी काम हुए। इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के जरूरी मुद्दों को नहीं उठाया।कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि इस मुलाकात के दौरान भारत के हितों के खिलाफ तीन बड़ी बातें हुईं। पहली यह कि अमेरिका ने 'यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड' का नाम बदलकर 'यूएस पैसिफिक कमांड' कर दिया। दूसरी, अमेरिका ने अपने नक्शे में पीओके के हिस्से को पाकिस्तान का दिखा दिया। तीसरी और सबसे गंभीर बात यह रही कि अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने जुलाई 2026 के वीजा बुलेटिन में भारतीयों के लिए ईबी-2 और ईबी-5 वीजा बंद कर दिया।उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने ट्रंप के सामने देश से जुड़े संवेदनशील और जरूरी मुद्दों पर पूरी तरह चुप्पी साधे रखी। अमेरिका ने भारत के मेहमान रहे 'आईआरआईएस देना' को डुबो दिया था, लेकिन दुर्भाग्यवश प्रधानमंत्री ने ट्रंप से इस पर भी कोई सवाल नहीं पूछा।खेड़ा ने कहा कि साल 1986 में 'वॉइस ऑफ अमेरिका' श्रीलंका में भारतीय तट के ठीक बगल में अपना ट्रांसमीटर लगाना चाहता था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने देश की संप्रभुता को देखते हुए ऐसा नहीं होने दिया था। वहीं, राजनयिक देवयानी खोबरागड़े के मामले में डॉ. मनमोहन सिंह ने बतौर प्रधानमंत्री अमेरिका को जो कड़ा संदेश दिया था, उससे पूरा विश्व हैरान रह गया था। पाकिस्तान को एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की ग्रे लिस्ट में लाने वाली यूपीए सरकार थी, लेकिन आज ट्रंप 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को डिनर पर आमंत्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि मुलाकात के दौरान ट्रंप का यह बयान कि 'मोदी के प्रधानमंत्री रहते कोई भारत पर हमला करेगा तो अमेरिका मदद करेगा', ऐसा था जैसे हम अमेरिका के अधीन हों। भारत ने हमेशा अपने दम पर कई युद्ध जीते हैं। अमेरिका ने हमारे तीन नाविकों की हत्या कर दी और ट्रंप ने खेद तक व्यक्त नहीं किया।

योगा एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान बवाल, सहयात्रियों की पिटाई से बागपत के युवक की मौत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के दौरान हुए विवाद ने एक यात्री की जान ले ली। प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर योगा एक्सप्रेस में सवार होने की कोशिश कर रहे एक युवक के साथ सहयात्रियों ने कथित तौर पर जमकर मारपीट की। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।मृतक की पहचान उप्र के बागपत निवासी पंकज धामा के रूप में हुई है। रेलवे पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना मिलने पर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पंकज धामा योगा एक्सप्रेस में चढ़ने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर अन्य यात्रियों से कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर कुछ लोगों ने पंकज धामा पर मुक्कों और लातों से हमला कर दिया। मारपीट में गंभीर रूप से घायल पंकज को तुरंत गुरु तेग बहादुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने बताया कि इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। घटनास्थल और रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि मारपीट में शामिल लोगों की पहचान की जा सके। रेलवे पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विवाद किस वजह से शुरू हुआ और घटना में कितने लोग शामिल थे। पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

एआई के कारण करियर में हो रहे बदलावों के बीच, WPU गोवा ने उच्च शिक्षा में ट्रांसडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण की वकालत की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेज़ तकनीकी परिवर्तन दुनिया भर में उद्योगों को नया रूप दे रहे हैं, विश्वविद्यालयों को केवल छात्रों को उनकी पहली नौकरी के लिए तैयार करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें जीवन भर कई करियर बदलावों से निपटने में सक्षम बनाना चाहिए। यह विचार 20 जून को आयोजित World Peace University Goa (WPU गोवा) ओपन हाउस में वक्ताओं द्वारा व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में भावी छात्र, अभिभावक और शिक्षाविद एक साथ आए और उच्च शिक्षा के भविष्य तथा तेजी से बदलती, अनिश्चित दुनिया में विश्वविद्यालयों से बढ़ती अपेक्षाओं पर चर्चा की। चर्चा का केंद्र WPU गोवा का ट्रांसडिसिप्लिनरी शिक्षा मॉडल रहा, जिसका उद्देश्य विषयगत गहराई के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में सोचने, बदलाव के अनुरूप ढलने और जटिल वास्तविक-दुनिया की चुनौतियों से निपटने की क्षमता विकसित करना है। "WPU गोवा की स्थापना एक ट्रांसडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण के इर्द-गिर्द की जा रही है, जो संकाय और छात्रों को किसी एक विषय की सीमाओं से परे दृष्टिकोणों के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। इमर्सिव लर्निंग, उद्योग एकीकरण, वैश्विक अनुभव और सक्रिय शिक्षण के माध्यम से, विश्वविद्यालय का उद्देश्य ऐसे स्नातक तैयार करना है जो आजीवन सीखने, अनुकूलन और नेतृत्व के लिए तैयार हों, साथ ही निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में उत्कृष्ट नौकरियों के द्वार भी खोलें, जहाँ वे अपनी सीख को लागू कर सकें," कुलपति प्रोफेसर Walter Leal ने कहा।

दिल्ली के जेएल नेहरू स्टेडियम में मांडविया और अक्षय कुमार करेंगे योग कार्यक्रम का नेतृत्व

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 के अवसर पर रविवार को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में देश के सबसे बड़े सार्वजनिक योग कार्यक्रमों में से एक का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और अभिनेता अक्षय कुमार विशेष रूप से शामिल होंगे।इस आयोजन का विषय "स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग" रखा गया है। दिल्ली में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में लगभग 3000 प्रतिभागी सामूहिक योग सत्र में हिस्सा लेंगे। खेल मंत्रालय की ओर से यह आयोजन देशभर में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सभी क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों, प्रशिक्षण केंद्रों और खेलो इंडिया संस्थानों में एक साथ

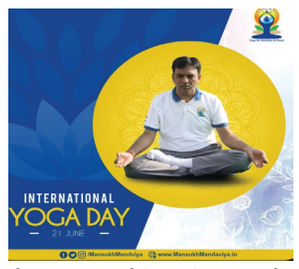

योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। देशभर में कुल 15,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।इसके अतिरिक्त विभिन्न राष्ट्रीय खेल महासंघों, राज्य खेल विभागों, खेल विश्वविद्यालयों और अन्य खेल संस्थानों द्वारा भी योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे पूरे खेल पारिस्थितिकी तंत्र की भागीदारी सुनिश्चित होगी।डॉ. मांडविया ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्ताव के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किए जाने के बाद यह आयोजन दुनिया भर में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के उत्सव के रूप में विकसित हुआ है।दिल्ली के मुख्य कार्यक्रम में प्रसिद्ध सेलिब्रिटी एवं योग प्रशिक्षक अंशुका परवानी विशेष योग सत्र का संचालन करेंगी। उन्होंने फिटनेस और योग को आम लोगों और सेलिब्रिटी समुदाय के बीच लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में खिलाड़ी, विद्यार्थी, वरिष्ठ नागरिक, फिटनेस प्रेमी, योग साधक और परिवार एक साथ भाग लेकर योग के सकारात्मक प्रभाव को प्रदर्शित करेंगे।21 जून को आयोजित होने वाले इस वैश्विक उत्सव में 180 से अधिक देशों में करोड़ों लोगों की भागीदारी होने की संभावना है। पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस विश्व के सबसे बड़े स्वास्थ्य और कल्याण आंदोलनों में शामिल हो चुका है, जिसमें भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री असोला भाटी की नीली झील के किनारे करेंगी योग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून (रविवार) सुबह दक्षिण दिल्ली स्थित असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य में आयोजित विशेष योग कार्यक्रम में भाग लेंगी। प्रकृति की मनोरम वादियों और हरियाली से घिरे नीली झील क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्वयं योगाभ्यास करेंगी और नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देंगी।इस विशेष कार्यक्रम में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, पर्यावरण विशेषज्ञ और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी भी शामिल होंगे। कार्यक्रम के माध्यम से योग, पर्यावरण संरक्षण और हरित जीवनशैली का सामूहिक संदेश दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है, जिसने आज पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मक जीवन का मार्ग दिखाया है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का विज्ञान है। वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली में योग व्यक्ति को मानसिक शांति, ऊर्जा और आत्मविश्वास प्रदान करता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी प्रयासों और वैश्विक नेतृत्व के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की। आज विश्व के सैकड़ों देशों में करोड़ों लोग इस दिन योग कर भारत की इस महान परंपरा का सम्मान कर रहे हैं। यह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्वीकार्यता मिली है। दिल्ली सरकार स्वस्थ नागरिक, स्वच्छ पर्यावरण और हरित दिल्ली के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य जैसे महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्र में किया जा रहा है। योग कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री वन्यजीव अभयारण्य परिसर में विकसित भारत नर्सरी का निरीक्षण करेंगी। इस दौरान वह वहां उगाए जा रहे विभिन्न देशी वृक्षों, पौधों तथा जैव विविधता संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा करेंगी। मुख्यमंत्री नर्सरी में तैयार किए जा रहे पौधों की गुणवत्ता, संरक्षण व्यवस्था और हरित क्षेत्र के विस्तार के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी अवलोकन करेंगी। इसके बाद मुख्यमंत्री असोला क्षेत्र और दक्षिणी रिज के विभिन्न हिस्सों में चल रहे पौधारोपण अभियान का निरीक्षण करेंगी तथा दिल्ली को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लेंगी।

दिल्ली में अगले 24 घंटों में हल्की बारिश, बिहार, तेलंगाना में लू के आसार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली में अगले 24 घंटों के दौरान गरज के साथ हल्की बारिश और तेज हवा चलने के आसार हैं। एनसीआर के गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गुरुग्राम और फरीदाबाद के कुछ जगहों पर भी यही स्थिति रहने का पूर्वानुमान है। वहीं बिहार, तेलंगाना, कोंकण और गोवा जैसे कुछ क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक लू जारी रहने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए अगले सात दिनों का पूर्वानुमान जारी किया है। इसके मुताबिक राजधानी में रविवार का तापमान 38-40 डिग्री सेल्सियस रहेगा जबकि आर्द्रता 65-45 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। अगले तीसरे दिन भी यही स्थिति जारी रहेगी लेकिन उमस का प्रतिशत 70-45 के बीच रहने की संभावना है। इसके बाद राजधानी के कुछ जगहों पर अगले चार दिन (23-26 जून तक) आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं। इस दिन यहां का मौसम भी सामान्य रहने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक एक तरफ देश के कुछ हिस्से के लोग दक्षिण-पश्चिम मानूसन का आनंद ले रहे हैं वहीं दूसरी तरफ बिहार, तेलंगाना, कोंकण और गोवा जैसे कुछ क्षेत्रों में दक्षिण-पश्चिम मानूसन धीमी गति से बढ़ रहा है, इसलिए यहां अगले कुछ दिनों तक लू जारी रहने के आसार हैं, जिससे यहां के निवासियों को फिलहाल गर्म हवाओं से राहत मिलना बाकी है। इस सप्ताह उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के जोरदार असर दिखाने के आसार हैं, क्योंकि मौसम अधिकारियों ने इन क्षेत्रों के लिए भारी वर्षा होने की चेतावनी जारी की है।

संक्षिप्त समाचार

रामपुर-रॉन्ग नंबर से शुरू हुई दोस्ती बनी मौत की वजह प्रेम-प्रसंग में युवक की हत्या में महिला समेत 3 पर मुकदमा, खेत में मिला था शव

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर /उत्तर प्रदेश/ रामपुर के अजीमनगर थाना क्षेत्र में यूकेलिप्टस के खेत में मिले युवक के शव मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था मृतक की बहन की तहरीर पर एक महिला, उसके बेटे और देवर को नामजद किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक और महिला के बीच रॉन्ग नंबर से शुरू हुआ संपर्क प्रेम संबंध में बदल गया था, जिसका परिवार विरोध कर रहा था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी सोमवार सुबह करीब आठ बजे खंडिया चौराहे से लगभग 200 मीटर दूर यूकेलिप्टस के खेत में मनोज (22) का शव बरामद हुआ था। मनोज मुरादाबाद जिले के छजलैट थाना क्षेत्र के दयानाथपुर गांव का निवासी था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मृतक की छोटी बहन सोनी, निवासी अमरोहा देहात, की तहरीर पर पुलिस ने खंडिया गांव निवासी सरवती (48), उसके बेटे सागर (20) और देवर हरिचंद उर्फ हरिया (45) के खिलाफ हत्या और धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी भारी वस्तु से वार किए जाने की पुष्टि हुई है। चोटों के कारण ही युवक की मौत हुई। मामले में नामजद आरोपियों की तलाश की जा रही थी और जल्द गिरफ्तारी की कार्रवाई की माँग की जा रही है पुलिस जांच में सामने आया है कि करीब दो वर्ष पहले एक रॉन्ग नंबर मिस्ड कॉल के जरिए मनोज और सरवती के बीच बातचीत शुरू हुई थी। समय के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उनका संपर्क प्रेम संबंध में बदल गया। बताया जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे के यहां आने-जाने भी लगे थे। परिजनों के मुताबिक महिला का बेटा और देवर इस रिश्ते का लगातार विरोध कर रहे थे। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच कई बार विवाद भी हुआ।

योगी सरकार का 'ऑपरेशन क्लीन मेडिसिन' : आगरा में 3.63 करोड़ की नकली, एक्सपायर्ड और सरकारी सप्लाई की दवाएं जब्त, 8 अवैध गोदाम सील

लोकतंत्र की शान , लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उत्तर प्रदेश में नकली दवाओं, फिजिशियन सैंपल्स की अवैध बिक्री, सरकारी आपूर्ति की औषधियों की कालाबाजारी और एक्सपायर्ड दवाओं के कारोबार के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एफएसडीए आयुक्त डॉ. रोशन जैकब के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान में आगरा में 3.63 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की नकली, एक्सपायर्ड, फिजिशियन सैंपल और सरकारी सप्लाई की दवाएं जब्त की गई हैं। अब तक 8 अवैध गोदाम सील किए जा चुके हैं तथा 6 एफआईआर दर्ज कर कई आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

दो चरणों में चला बड़ा अभियान-एफएसडीए मुख्यालय लखनऊ द्वारा गठित 25 औषधि निरीक्षकों की विशेष टीमों ने 22 से 24 मई तथा 12 से 14 जून 2026 के बीच आगरा में व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान खत्री गली, फव्वारा, संजय प्लेस, कमला नगर, झूलेलाल मार्केट, दयालबाग सहित प्रमुख दवा व्यापार केंद्रों, गोदामों और आवासीय परिसरों की जांच की गई। इस दौरान 20 से अधिक दवा फर्मों, 12 गोदामों तथा कई संदिग्ध परिसरों की तलाशी ली गई। जांच में बड़े पैमाने पर फिजिशियन सैंपल्स, सरकारी अस्पतालों की दवाएं, डिफेंस सप्लाई, एक्सपायर्ड दवाएं तथा संदिग्ध नकली औषधियां बरामद हुईं।

डीएम सुबह 8:30 बजे पहुंचे जिला अस्पताल जाना स्वास्थ्य सेवाओं का वास्तविक हाल

लोकतंत्र की शान , जालौन: जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं जनकेंद्रित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शनिवार प्रातः लगभग 8:30 बजे जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। बिना पूर्व सूचना के अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी ने ओपीडी, इमरजेंसी, विभिन्न वार्डों तथा अस्पताल परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों एवं उनके तीमारदारों से सीधे संवाद स्थापित कर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों से उनका हालचाल जाना तथा अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं, दवाओं, जांचों एवं चिकित्सकों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से फीडबैक प्राप्त करते हुए कहा कि जनसामान्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जिलाधिकारी ने अस्पताल में साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पंजीकरण प्रक्रिया तथा मरीजों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।

विधायक निधि से निर्मित 230 मीटर सड़क से ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

» वर्षों से जलभराव के कारण बाधित रहता था मार्ग, अब खत्म होगी परेशानी

लोकतंत्र की शान/ खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद ने अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जुवाली लाला उर्फ छोटी जुवाली पहुंचकर विधायक निधि से निर्मित 230 मीटर लंबे सीसी रोड का लोकार्पण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होने पर विधायक का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से वर्षा ऋतु के दौरान इस मार्ग पर जलभराव की समस्या बनी रहती थी, जिससे आवागमन प्रभावित हो जाता था और लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब सीसी रोड बनने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी और उनकी वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो गया है। विधायक हाजी तसलीम अहमद ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, जल निकासी और अन्य मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी ग्राम जुवाली लाला में चार सड़कों का निर्माण कराया जा चुका है और क्षेत्र के विकास कार्य आगे भी जारी रहेंगे। इस अवसर पर बिजनौर एक्सप्रेस न्यूज चैनल के सीईओ एवं वरिष्ठ समाजसेवी आसिद नजीबाबादी, ग्राम प्रधान मतलूब अहमद, पूर्व प्रधान इरशाद अहमद, मोहम्मद जुनूरैन, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद कासिम, मोहम्मद नफीस, परवेज, रईस, लख्खी, बब्बू, मोहम्मद अजमल, बुंदू, शाकिर, मुस्ताकीम, महमूद, आजाद, नासिर, इमरान डीलर, राशिद, अबूजर, वाहिद, हसीनू, अख्तर, सईद अहमद, हलीम दानिश, खालिद प्रधान, अफजाल डीलर, मोनिस प्रधान, रिजवान प्रधान, जाकिर प्रधान, विधायक प्रतिनिधि नितिन कश्यप, जाहिद प्रधान, मुल्ला वाहिद, नईम मकरानी, इंजीनियर शादाब हैदर, विकार आलम, साकिब शेख, यूनुस ठेकेदार, महताब प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बरेली में 21 जून को उर्स-ए-हजरत बाबा फरीदः खानकाहे आलिया चिश्तिया साबरिया में जिक्रे शहीद-ए-आजम और महफिल-ए-समा का होगा आयोजन

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली शहर एक बार फिर रूहानियत, मोहब्बत और सूफियाना रंग में रंगने जा रहा है। मोहल्ला रेती स्थित खानकाहे आलिया चिश्तिया साबरिया में 21 जून 2026, इतवार को अकीदत और एहतराम के साथ जिक्रे शहीद-ए-आजम व उर्स-ए-हजरत बाबा फरीदुद्दीन गंजे शकर रहमतुल्लाह अलैह का आयोजन किया जाएगा। इस मुकद्दस मौके पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। यह आयोजन दरगाह साबिर पाक कलियर शरीफ के सज्जादा नशीन हजरत शाह अली मंजर ऐजाज कुद्दूसी साबरी साहब की सरपरस्ती में संपन्न होगा। आयोजकों की ओर से सभी जायरीन, मुरीदीन और अकीदतमंदों को शिरकत की खुली दावत दी गई है।

सूफी परंपरा और आध्यात्मिक विरासत का संगम- उर्स का यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं बल्कि सूफी परंपरा, इंसानियत, भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम देने वाला आध्यात्मिक संगम माना जाता है। हजरत बाबा फरीदुद्दीन गंजे शकर रहमतुल्लाह अलैह की शिक्षाओं ने सदियों से लोगों को इंसानियत, सेवा और आध्यात्मिकता की राह दिखाई है।

धामपुर में मजार की दीवार हटाने पर सियासत गरम सांसद चंद्रशेखर ने अधिकारियों से मांगा जवाब

» सांसद के आने तक विवेक सेन ने संभाले रखा मोर्चा

लोकतंत्र की शान/ खिज़र अहमद

धामपुर। नगर की टीचर्स कॉलोनी स्थित पीर बाबा मजार को लेकर वर्षों से चले आ रहे रास्ता विवाद में शुक्रवार रात प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई के बाद मामला राजनीतिक रंग पकड़ता जा रहा है। राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मजार के चारों ओर बनी दीवार को हटाकर कथित रूप से अवरुद्ध रास्ता खुलवा दिया, जिसके बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध जताया। स्थानीय निवासियों का कहना था कि मजार के आसपास बनी चहारदीवारी के कारण कॉलोनी का सार्वजनिक मार्ग बाधित हो गया था। इस संबंध में लंबे समय से शिकायतें की जा रही थीं। शुक्रवार रात करीब 8:15 बजे प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की सहायता से दीवार हटाने की कार्रवाई की। इसके बाद क्षेत्र में किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया। कार्रवाई की सूचना मिलने पर सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन मौके पर पहुंचे और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि रात के समय बिना पर्याप्त संवाद के कार्रवाई करना उचित नहीं था। मुस्लिम समाज के लोगों ने भी कार्रवाई को एकतरफा बताते हुए विरोध दर्ज कराया। मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने संबंधित अधिकारियों को अपने आवास पर बुलाकर कार्रवाई के संबंध में नाराजगी जताई। सूत्रों के अनुसार सांसद ने अधिकारियों से पूछा कि रात में बुलडोजर चलाने की आवश्यकता क्यों पड़ी और किस आदेश के तहत यह कार्रवाई की गई।

NEET परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्टः कलेक्ट्रेट सभागार में हुई समीक्षा बैठक, सुरक्षा से लेकर पारदर्शिता तक हर व्यवस्था पर विशेष जोर

लोकतंत्र की शान

(बरेली उत्तर प्रदेश — संदीप चंद्रा) बरेली में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) के सफल, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक की अध्यक्षता प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की गई, जिसमें शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, विद्युत विभाग तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया। बैठक के दौरान परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अनुचित गतिविधि या सुरक्षा संबंधी समस्या उत्पन्न न होने पाए। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थियों के परीक्षा केंद्रों तक निर्बाध एवं समयबद्ध प्रवेश के लिए विशेष व्यवस्था किए जाने पर चर्चा हुई। यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए ताकि परीक्षा दिवस पर अभ्यर्थियों एवं अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में विद्युत आपूर्ति, पेयजल उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था तथा चिकित्सा सुविधाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई। निर्देश दिए गए कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें तथा किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम और एंबुलेंस व्यवस्था को भी सक्रिय रखा जाए।

मुरादाबाद के अधिवक्ता ने धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ विरोध किया

लोकतंत्र की शान/ मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद /उत्तर प्रदेश/ मुरादाबाद के दि बार एसोसिएशन एण्ड लाइब्रेरी मुरादाबाद के द्वारा रजिस्ट्री कार्यालय में ई-पंजीकरण और रजिस्ट्री व्यवस्था प्राइवेट कंपनी को ठेके में देने के साथ में मानकीकृत मूल्य सूची , किरायनामे/ पट्टे विलेखों को ऑनलाइन डिजिटल स्टांपिंग के माध्यम से करने तथा निबंधन मित्र योजना को आगमी समय में लागू करने के विरोध में अधिवक्ता,दस्तावेज लेखक, स्टाम्प वेंडर्स, टाइपिस्ट सभी ने रजिस्टरी कार्यालय में एकत्रित होकर धरना प्रदर्शन किया | इस दौरान लगातार छठे दिन भी रजिस्ट्री से संबंधित कोई भी कार्य नहीं हो सका । इस अवसर परजोनल टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सैय्यद आरिफ अली व महासचिव अनुज गुप्ता,मुरादाबाद टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश चंद्र गुप्ता व सचिव अमर शर्मा टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव जिया व संयुक्त सचिव यासर इरफान ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचकर अपनी अपनी बार एसोसिएशन के समर्थन पत्र दि बार एसोसिएशन के महासचिव कपिल गुप्ता को सौंपा जिसमें उन्होंने कहा कि जब तक दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी मुरादाबाद के द्वारा यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है तब तक उनकी एसोसिएशन का समर्थन बार एसोसिएशन के साथ है|धरना स्थल पर कांठ विधानसभा से विधायक कमाल अख्तर ने पहुंचकर अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखको, स्टाम्प वेंडर और टाइपिस्ट सभी को आश्वासन दिया कि इस काले कानून के खिलाफ वह उनके साथ है जहां भी उनकी आवश्यकता पड़ेगी वह उनके साथ खड़े नजर आयेंगे | विधानसभा में भी इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठायेंगे | जहां पर दि बार एसोसिएशन एण्ड लाइब्रेरी मुरादाबाद के महासचिव कपिल गुप्ता और पदाधिकारियों ने विधायक महोदय को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा जिसमें उन्होंने रजिस्ट्री कार्यालय में ई - पंजीकरण व्यवस्था व रजिस्ट्री कार्यालय के समस्त कार्यों के प्राइवेट फ्रेंजाइजी को देने और मानकीकृत मूल्य सूची, 12 माह तक के किरायानामा / पट्टा विलेखों के पूर्णतः ऑनलाइन और डिजिटल स्टांपिंग व्यवस्था और निबंधक मित्र व्यवस्था लागू करने के सरकार के निर्णय को वापस लेने के लिये विधानसभा में उनकी आवाज उठाने का अनुरोध किया | बार एसोसिएशन के महासचिव कपिल गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि सरकार के द्वारा रजिस्ट्री कार्यालय में ई-पंजीकरण की व्यवस्था और इसका निजीकरण एक बड़ी साजिश है जो छोटे व्यवसाय को समाप्त करने का प्रयास है| | इस अवसर पर मोहम्मद इस्लाम उर्फ बाबू, मलिक अंसारी, आजम , अंजार हुसैन,अजय बंसल, आवरण अग्रवाल,आशीष उपाध्याय, रमा पांडेय, जितेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ जे.पी.पंकज शर्मा, अशोक सक्सेना,अभिषेक भटनागर,विश्वास गुम्बर, अभिनव भट्ट,अजय पाल, राघव गुप्ता,फिरोज आलम,सुनील कुमार सक्सेना, दीपिका वर्मा, गोपाल कृष्ण द्विवेदी ,रेनू गुप्ता, योगेन्द्र सिंह, राजेश कुमार, प्रदीप ठाकुर, तरुण उपाध्याय त्रिलोकचंद्र दिवाकर, राजेश दयाल, शाहिस्ता परवीन,प्रतीक गोयल, सौरभ चक्रवर्ती, मुकुल माहौर सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता और स्टांप वेंडर एसोसिएशन से नितिन रस्तौगी,हरिराम सहित बड़ी संख्या में स्टांप वेंडर कातिब एसोसिएशन से कातिब प्रदीप कुमार रस्तोगी अध्यक्ष कातिब एसोसिएशन नदीमुद्दीन,कातिब महासचिव विनय गुप्ता, दुलहा खान, गुलजार हुसैन, विवेक मिश्रा, फुरकान अहमद, विवेक मिश्रा, आजम, अंशु, सलीम खाँ आदि मौजूद रहे ।

मुख्यमंत्री ने झांसी सर्किट हाउस में 5 सुइट व 10 बेड की डॉरमेट्री का किया शुभारंभ

लोकतंत्र की शान

झांसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झांसी प्रवास के दौरान शनिवार शाम सर्किट हाउस पहुंचे। उन्होंने यहां बटन दबाकर 5 सुइट व 10 बेड की डॉरमेट्री का शुभारंभ किया। सर्किट हाउस में 5 सुइट की सुविधा वीवीआईपी/वीआईपी अतिथियों तथा 10 बेड की डॉरमेट्री की सुविधा कर्मचारियों के लिए की गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों से विकास कार्यों को लेकर प्रगति जानी। सर्किट हाउस पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, महापौर बिहारी लाल आर्य, विधायक राजीव सिंह, रवि शर्मा, उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दीपासराय में एआईएमआईएम युवा ज़िला कार्यालय का भव्य उद्घाटन, युवाओं के जोश और संगठन की मजबूती का बना प्रतीक

लोकतंत्र की शान/ सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल। नगर में दीपासराय में शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) युवा ज़िला कार्यालय का भव्य उद्घाटन उत्साह, जोश और जनसैलाब के बीच सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, युवा, बुद्धिजीवी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान एआईएमआईएम के पक्ष में जोरदार नारों और संगठन को मजबूत बनाने के संकल्प ने माहौल को ऊर्जावान बनाए रखा। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी की विचारधारा और एआईएमआईएम की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि एआईएमआईएम संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, शिक्षा, समान अवसर, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों, दलितों और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की मजबूती से आवाज उठाने वाली पार्टी है। पार्टी की नीति हर वर्ग को सम्मान, भागीदारी और न्याय दिलाने की रही है। एआईएमआईएम हमेशा शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, महिलाओं के सशक्तिकरण और युवाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए संघर्षरत रही है। इस अवसर पर एआईएमआईएम उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा गया कि उनके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में पार्टी निरंतर मजबूत हो रही है और गांव-गांव तथा शहर-शहर तक संगठन का विस्तार किया जा रहा है। उनके नेतृत्व में युवाओं और समाज के वंचित तबकों को राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। सम्भल नगर पालिका चेयरपर्सन पति चौधरी मुशीर अली खान की जनसेवा और संगठनात्मक क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की गई। वक्ताओं ने कहा कि चौधरी मुशीर अली खान जनता के सुख-दुख में हमेशा सबसे आगे खड़े रहने वाले जननेता हैं। उन्होंने विकास, सामाजिक सौहार्द और जनहित के मुद्दों को लगातार प्राथमिकता देकर क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी सरलता, मिलनसार व्यक्तित्व और समाज के प्रति समर्पण ने उन्हें जनता के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाया है। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं को नेतृत्व देने, समाज को जोड़ने और संगठन को नई दिशा देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। वहीं युवा ज़िला अध्यक्ष नूर मोहम्मद पाशा की सक्रियता और मेहनत की सराहना करते हुए कहा गया कि उन्होंने अल्प समय में जनपद के युवाओं को एक मंच पर संगठित कर एआईएमआईएम को नई ऊर्जा प्रदान की है। उनकी संगठन क्षमता, कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद और पार्टी के प्रति समर्पण के कारण बड़ी संख्या में युवा एआईएमआईएम से जुड़ रहे हैं। वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में सम्भल में एआईएमआईएम युवा संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। कार्यक्रम में युवा प्रदेश अध्यक्ष एहतेशाम मंसूरी ने कहा कि एआईएमआईएम केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकारों और आम लोगों की आवाज को बुलंद करने वाला एक जनआंदोलन है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, एकता और सामाजिक जागरूकता को अपनाकर देश और समाज के निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व नगर पंचायत प्रत्याशी जुबैर फैसल, ज़िला अध्यक्ष असद अब्दुल्लाह, नगर अध्यक्ष मोहम्मद मेहरान नौशाही, नगर सचिव तारिक़ कुरैशी, डॉ. गुलाम मोहम्मद सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। दीपासराय में एआईएमआईएम युवा ज़िला कार्यालय का उद्घाटन जनपद की राजनीति में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि एआईएमआईएम सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों, शिक्षा, रोजगार, समान अवसर और समाज के अंतिम व्यक्ति तक अधिकारों की लड़ाई को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। युवाओं की बढ़ती भागीदारी और संगठन की मजबूती ने यह संकेत दिया कि आने वाले समय में एआईएमआईएम जनपद सम्भल की राजनीति में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

स्वस्थ भारत के निर्माण में योग की भूमिका

लोकतंत्र की शान/ सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/ सिरसी भारत आज विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। एक सशक्त और विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए नागरिकों का स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। इसी संदर्भ में योग की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। योग केवल एक व्यायाम पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की संपूर्ण कला है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास में सहायक होती है। वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली, बढ़ता तनाव, अनियमित खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और हृदय रोग जैसी बीमारियाँ तेजी से फैल रही हैं। योग इन समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी और प्राकृतिक माध्यम है। नियमित योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ, सुदृढ़ और ऊर्जावान बनाता है। साथ ही, यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर अनेक बीमारियों से बचाव करता है। योग मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से तनाव, चिंता और अवसाद को कम किया जा सकता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विकास में अधिक प्रभावी योगदान दे सकता है। इस प्रकार योग न केवल व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाता है, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय प्रगति में भी सहायक सिद्ध होता है। भारत सरकार द्वारा योग को जन-जन तक पहुँचाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश और दुनिया के करोड़ों लोग भाग लेते हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी संस्थानों तथा सामाजिक संगठनों द्वारा योग शिविरों का आयोजन कर लोगों को इसके प्रति जागरूक किया जा रहा है। स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ राष्ट्र की नींव होते हैं। यदि प्रत्येक भारतीय अपनी दिनचर्या में योग को स्थान दे, तो देश की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इससे चिकित्सा पर होने वाला खर्च घटेगा, कार्यक्षमता बढ़ेगी और राष्ट्र की उत्पादकता में वृद्धि होगी। निष्कर्षतः, योग स्वस्थ भारत के निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। यह न केवल शरीर और मन को स्वस्थ रखता है, बल्कि समाज में सकारात्मकता, अनुशासन और संतुलन का भी विकास करता है। इसलिए योग को जन-आंदोलन बनाकर स्वस्थ, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना समय की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में 14 साल की नाबालिग से गैंग रेप, मां ने 2 फुफेरे भाइयों सहित 6 पर एफआईआर दर्ज कराई

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र में एक 14 साल की नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस संबंध में लड़की की मां ने अपनी बेटी के 2 फुफेरे भाइयों सहित 6 आरोपियों के खिलाफ 17 जून को FIR दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत मामले में एक्शन लेते हुए सभी आरोपियों को बुधवार 17 जून को ही गिरफ्तार कर लिया है। 18 जून को सभी आरोपी को जेल भेजा गया, और लड़की का मेडिकल जांच कर कोर्ट में बयान दिलाया गया है। हालांकि, इस मामले में एक और पहलू भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि नाबालिग का पटना के अथमलगोला निवासी नितिश कुमार से पिछले 6 महीने से प्रेम संबंध था। नितिश अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था और दोनों पास के ही एक झोपड़ीनुमा मकान में आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए थे। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, नाबालिग की मां ने पुलिस को बताया कि 14 जून की रात करीब 11 बजे उनकी बेटी शौच के लिए बाहर निकली थी। इसी दौरान नामजद आरोपियों ने उसे पकड़ लिया और गांव के एक व्यक्ति की झोपड़ी में ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोपियों ने इस घटना का वीडियो भी बना लिया। पीड़िता को धमकी दी गई कि अगर उसने किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। मां ने यह भी आरोप लगाया कि 15 जून को जब वे एक आरोपी के घर गईं, तो उन्हें जातिसूचक गालियां देकर भगा दिया गया। रुस्तमपुर थाना अध्यक्ष कुमार अभिषेक ने जानकारी दी कि लड़की की मां के आवेदन पर पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहित कुमार, राहुल कुमार (दोनों पिता सुख बली दास), संतोष कुमार, दिनेश दास (दोनों पिता जगदेव दास), मंजन कुमार (पिता राजीश्वर राय) और पटना के अथमलगोला थाना निवासी नितिश कुमार (पिता जय प्रकाश दास) के रूप में हुई है। सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने नाबालिग लड़की का मेडिकल परीक्षण भी कराया है। इस घटना को लेकर कुछ सवाल भी उठाए जा रहे हैं और पुलिस को मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार है।

सोशल मीडिया पर बिकरू कांड दोहराने की धमकी, वैशाली में कुख्यात सर्वेश चौधरी ने दी चुनौती

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में एक कुख्यात अपराधी ने सोशल मीडिया पर पुलिस और सरकार को खुली चुनौती दी है। वायरल वीडियो में अपराधी ने उत्तर प्रदेश के चर्चित बिकरू कांड जैसी घटना दोहराने की धमकी दी है। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिले के कुख्यात अपराधी सर्वेश चौधरी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह पुलिस और सरकार को चुनौती देते हुए बिकरू कांड जैसी घटना को अंजाम देने की बात कह रहा है। वीडियो में

आरोपी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ भी आपत्तिजनक टिप्पणी की है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, सर्वेश चौधरी के खिलाफ लूट, हत्या और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पहले भी पुलिस टीम पर फायरिंग की घटना में शामिल रहा है। वैशाली के पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर बेलसर थाना पुलिस और अन्य टीमें आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस का दावा है कि सर्वेश चौधरी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पॉलिटेक्निक छात्रा से रेप मामला में हॉस्टल का गार्ड आरोपी, अपर सत्र न्यायाधीश ने दी आजीवन कारावास

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज कुमार तिवारी की अदालत ने पॉलिटेक्निक कॉलेज की 20 वर्षीय छात्रा से रेप के मामले में एक हॉस्टल गार्ड को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर 50 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया गया है। लोक अभियोजक श्याम बाबू राय ने बताया कि यह घटना 10 नवंबर 2023 की रात करीब 8:30 बजे हुई थी। भागलपुर के बीहपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता वैशाली प्रखंड स्थित सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ती थी। वहीं कॉलेज के पास जैनुल मियां के प्राइवेट गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी। इसी हॉस्टल में गार्ड के रूप में कार्यरत अब्दुल हकीम ने पीड़िता के कमरे का दरवाजा खटखटाया और अंदर घुसकर जबरन रेप किया। घटना के तुरंत बाद पीड़िता ने फोन पर

अपनी मां को इसकी सूचना दी। मां की सूचना पर बेलसर थाना पुलिस रात करीब 1:30 बजे हॉस्टल पहुंची। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और थाना कांड संख्या 492/23 के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान, पुलिस ने पीड़िता के कपड़े और बेड की चादर जब्त की। मेडिकल जांच में रेप की पुष्टि हुई। आरोपी अब्दुल हकीम को गिरफ्तार कर उसकी भी मेडिकल जांच कराई गई, जिसमें अपराध की पुष्टि हुई। पुलिस ने 13 दिसंबर 2023 को आरोप पत्र दाखिल किया। न्यायालय ने 15 फरवरी 2024 को मामले का संज्ञान लिया। 21 जून 2024 को धारा 376, 341, 323, 506 और 342 के तहत आरोप गठित किए गए। ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष ने कुल 6 गवाह पेश किए। सुनवाई पूरी होने के बाद, कोर्ट ने 12 जून 2026 को अब्दुल हकीम को दोषी करार दिया। सजा के बिंदु पर सुनवाई के बाद, 19 जून 2026 को न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया। दोषी अब्दुल हकीम को धारा 376 में सश्रम आजीवन कारावास और 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके अतिरिक्त, धारा 342 और 323 में एक-एक साल का साधारण कारावास, धारा 341 में एक माह का कारावास, तथा धारा 506 में 5 साल का सश्रम कारावास और 5 हजार रुपए का जुर्माना भी सुनाया गया। कोर्ट ने आदेश दिया कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

राजद के पूर्व विधायक को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी व्हाट्सएप कॉल-मैसेज से मिली जान से मारने की चेतावनी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व विधायक और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के करीबी मुकेश रौशन को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक सदस्य ने जान से मारने की धमकी दी है। यह धमकी उन्हें व्हाट्सएप मैसेज और कॉल के जरिए मिली है। यह घटना 19 जनवरी को हुई, जब सुबह 9:58 बजे मुकेश रौशन के मोबाइल पर एक व्हाट्सएप वॉयस कॉल आया। उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया, जिसके बाद उन्हें एक मैसेज भेजा गया। मैसेज का जवाब न मिलने पर फिर से वॉयस कॉल किया गया। शाम 5:20 बजे भी एक व्हाट्सएप कॉल आया, जिसका जवाब नहीं मिलने पर आरोपी ने कड़े चेतावनी वाले मैसेज भेजे। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और कहा, "तुम बात करोगे या नहीं, प्लीज कॉन्टैक्ट बात करो MLA, नहीं तो दिक्कत होगी तेरे को - बहुत हो गई प्यार की बातें।" धमकी मिलने के बाद पूर्व विधायक मुकेश रौशन ने पटना के एसएसपी कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अगमकुआं थाना, पटना में भी आवेदन दिया है। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। मुकेश रौशन ने अपने आवेदन में कहा है कि उन्हें जिस नंबर से मैसेज आया है, उसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग का जिक्र है और उन्हें धमकी दी जा रही है। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। रौशन ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए भी आग्रह किया है, क्योंकि 1993 में उनके पिता सहित कई संबंधियों की हत्या हो गई थी। मुकेश रौशन महुआ विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक रह चुके हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में करियर की नई दिशाएँ, डब्ल्यू पी यू गोवा ने उच्च शिक्षा के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण की वकालत की

लोकतंत्र की शान

कोलकाता, 20 जून (मुहम्मद शबीब आलम) : विश्वविद्यालय नेतृत्व ने तेजी से बदलती तकनीक के दौर में अनुकूलन क्षमता, निरंतर सीखने और बहुविषयक शिक्षा की बढ़ती आवश्यकता पर जोर दिया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और तेज तकनीकी बदलावों के कारण दुनिया भर के उद्योगों और पेशों में व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं। ऐसे में विश्वविद्यालयों को केवल छात्रों को पहली नौकरी के लिए तैयार करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें जीवनभर बदलते करियर और नए अवसरों के अनुरूप ढलने योग्य बनाना चाहिए। ये बातें वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (WPU) गोवा के ओपन हाउस कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहीं। यह कार्यक्रम 20 जून को कोलकाता में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संभावित छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने उच्च शिक्षा के भविष्य और बदलती अपेक्षाओं पर चर्चा की। बातचीत का केंद्र "डब्ल्यू पी यू गोवा" का बहुविषयक शैक्षणिक मॉडल था, जिसका उद्देश्य विभिन्न विषयों की गहराई के साथ-साथ विविध क्षेत्रों में सोचने, बदलावों के अनुरूप स्वयं को ढालने और वास्तविक दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना है। डब्ल्यू पी यू गोवा के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. आशीष भारद्वाज ने कहा, "विश्वविद्यालय अब यह मानकर नहीं चल सकते कि छात्रों को केवल पहली नौकरी के लिए तैयार करना ही पर्याप्त है। असली सवाल यह है कि क्या हम उन्हें जीवनभर आने वाले बदलावों, अवसरों और चुनौतियों के लिए तैयार कर रहे हैं। भविष्य उन्हीं लोगों का है जो लगातार सीखते रहें, विभिन्न क्षेत्रों के विचारों को जोड़ सकें और ऐसे मुद्दों

का सामना कर सकें जो पारंपरिक सीमाओं में फिट नहीं होते।" चर्चा में इस बात पर विचार किया गया कि उच्च शिक्षा से जुड़े पारंपरिक दृष्टिकोण किस प्रकार चुनौती का सामना कर रहे हैं, क्योंकि उद्योगों के विकास की गति पारंपरिक शैक्षणिक प्रणाली से कहीं अधिक तेज हो गई है। नए पेशे सामने आ रहे हैं, पारंपरिक भूमिकाएँ बदल रही हैं और प्रतिस्पर्धा उन लोगों के बीच बढ़ रही है जो विभिन्न क्षेत्रों की क्षमताओं को एक साथ जोड़ने में सक्षम हैं। प्रतिभागियों ने सुना कि विभिन्न विषयों में सीखने, स्वयं को ढालने और कार्य करने की क्षमता तकनीकी दक्षता जितनी ही महत्वपूर्ण होती जा रही है। इसके अलावा, जिज्ञासा, चुनौतियों का सामना करने की क्षमता और जीवनभर सीखते रहने की भावना को भविष्य के करियर के लिए आवश्यक गुण बताया गया। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि उच्च शिक्षण संस्थानों को छात्रों को उन अवसरों के लिए तैयार करना चाहिए जिनकी प्रकृति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, न कि केवल मौजूदा पेशों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए। डब्ल्यू पी यू गोवा वर्तमान में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (CSE) में बी.टेक, बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (ऑनर्स), इंटीग्रेटेड प्रोडक्ट डिजाइन में बी.डिज, कम्युनिकेशन डिजाइन में बी.डिज और मनोविज्ञान में बी.एससी (ऑनर्स) जैसे पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। ऐसे समय में जब छात्र और अभिभावक भविष्य के रोजगार को लेकर स्पष्टता चाहते हैं, इस तरह की चर्चाओं ने इस आवश्यकता को रेखांकित किया कि उच्च शिक्षण संस्थान केवल नौकरी की संभावनाओं पर ध्यान न दें, बल्कि छात्रों को पेशेवर जीवन में लगातार होने वाले परिवर्तनों से निपटने के लिए भी तैयार करें।

डब्ल्यू पी यू गोवा के बारे में- डब्ल्यू पी यू गोवा एक आधुनिक विश्वविद्यालय है, जो गोवा राज्य में स्थित है और तेजी से बदलती दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप उच्च शिक्षा को नया स्वरूप देने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। बहुविषयक शिक्षा के सिद्धांतों पर आधारित यह विश्वविद्यालय ऐसे स्नातक तैयार करने का प्रयास करता है जो विभिन्न क्षेत्रों में दक्ष होने के साथ-साथ परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें और वास्तविक दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान खोज सकें।

संभावित शीर्षक : एआई के दौर में सिर्फ डिग्री नहीं, बहुआयामी क्षमताएँ जरूरी : डब्ल्यू पी यू गोवा बदलते AI युग में उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की जरूरत : डब्ल्यू पी यू गोवा भविष्य उन्हीं का है जो लगातार सीखते रहें हैं

उलेमा व इमाम फाउंडेशन का महान मिशनः सेवा, समाज सुधार और कौम की तरक्की की दिशा में बड़ा कदम

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः अल्लाह तआला के फ़ज़ल व करम और नेकदिल लोगों के सहयोग से उलेमा व इमाम फाउंडेशन लगातार धार्मिक, सामाजिक और कल्याणकारी क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। फाउंडेशन अब तक 70 अनाथ लड़कियों की शादी, 500 जरूरतमंद परिवारों में गर्म कपड़ों का वितरण, 200 घरों में गैस सिलेंडर, सोलर लाइट और किचन सेट की व्यवस्था, 5 मरीजों का इलाज, 3 विधवा महिलाओं के लिए मकानों का निर्माण तथा 40 अग्नि-पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य कर चुका है। फाउंडेशन जहां एक ओर जनसेवा में सक्रिय है, वहीं समाज सुधार, गुमराही और धर्मांतरण जैसी समस्याओं की रोकथाम के लिए भी अभियान चला रहा है। इसके अलावा वरिष्ठ उलेमा, सुधारकों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए परामर्श और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना और सक्षम नेतृत्व तैयार करना है। इसी कड़ी में 20 और 21 जून 2026 को एक भव्य परामर्श एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जो तीन सत्रों में संपन्न होगी। इस कार्यशाला में उलेमा, इमाम, हाफ़िज़, डॉक्टरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में भागीदारी होगी।

सहयोग शिविर आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश, फार्मर रजिस्ट्री की भी समीक्षा

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः आज दिनांक 20 जून 2026 को जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार द्वारा गूगल मीट के माध्यम से सहयोग शिविर से संबंधित प्राप्त परिवाद पत्रों एवं आवेदनों के निष्पादन तथा एग्री स्टैक परियोजना अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिला सहकारिता विभाग, ऊर्जा विभाग, वित्त विभाग, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, निगरानी विभाग, पथ प्रमंडल एवं ग्रामीण कार्य विभाग सहित विभिन्न विभागों में कुछ आवेदन लंबित पाए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित आवेदनों का त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके। बैठक में यह भी पाया गया कि राजस्व महाअभियान से जुड़े कुछ मामले लंबित हैं। इस पर जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे मामलों का निष्पादन हर हाल में अगले दिन तक सुनिश्चित किया जाए तथा इसकी रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने राजस्व महाअभियान के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी बल दिया। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्मृति सौरभम् 2026 : यादों की महक और भविष्य की ओर बढ़ते कदम

लोकतंत्र की शान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली (बिहार) के कृषि विभाग द्वारा अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के सम्मान में "स्मृति सौरभम् 2026" विदाई समारोह का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की उपलब्धियों का सम्मान करना तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। कृषि विभागाध्यक्ष श्री अंकुश कुमार सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए विद्यार्थियों को उनके आगामी जीवन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं तथा विश्वविद्यालय में बिताए गए सुनहरे पलों को संजोकर रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समित तिवारी, प्रतिकुलपति डॉ. बसंत सिंह, कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अमरीश सिंह, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुशील जमारियार सहित शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कुलपति डॉ. समित तिवारी ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने और अपने ज्ञान एवं संस्कारों से समाज में सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा दी। प्रतिकुलपति डॉ. बसंत सिंह ने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास एवं परिश्रम के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय से प्राप्त शिक्षा और मूल्य उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता दिलाएंगे। विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुशील जमारियार ने कहा कि विश्वविद्यालय को अपने विद्यार्थियों पर गर्व है और उन्हें विश्वास है कि वे भविष्य में संस्थान का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। नयन ने अपने मधुर गीत से सभी का मन मोह लिया, वहीं अनीशा एवं अक्षिता द्विवेदी ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुति देकर उपस्थित दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं मनोरंजक गतिविधियों ने समारोह को और अधिक यादगार बना दिया। समारोह के विशेष आकर्षण के रूप में विभिन्न सम्मान भी प्रदान किए गए। श्वेता कुमारी को "मिस फेयरवेल 2026", राहुल कुमार को "मिस्टर फेयरवेल 2026" तथा दिवाकर कुमार तिवारी को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों, नेतृत्व क्षमता एवं बहुमुखी प्रतिभा के लिए "स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2026" सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन ऋतुराज एवं आयुष ने किया, जबकि श्री अमित पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन को सफल बनाने में कुमारी नेहा सिन्हा, अमृता कुमारी, नंदलाल सिंह, डॉ. पंकज मौर्य एवं डॉ. बलवंत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन समिति के समर्पित प्रयासों से समारोह गरिमामय एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

खान सर के अस्पताल की दूसरी बार फायर ऑडिट

लोकतंत्र की शान , पटना

अग्निशमन पदाधिकारी बोले- पिछली बार मिली खामियां में अभी भी सुधार नहीं, दूसरा नोटिस थमाया

खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग के संस्थापक खान सर फायरिंग मामले पहले से मुश्किल में है। हालांकि, उन्हें पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरप्तारी के स्टे ऑर्डर को 25 जून तक के लिए बढ़ा दिया है। इस बीच फायर सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम आज दूसरी बार खान सर के अस्पताल में ऑडिट करने पहुंची है। पटना के लोदीपुर अग्निशमन अनुमंडल पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। पिछली बार 7 जून को ऑडिट हुआ था, जिसमें कई खामियां पाई गई थी। इसके बाद विभाग ने कोचिंग और अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक सुधार के लिए 7 से 10 दिन का समय दिया था। अब 14 दिन के बाद दूसरी बार अग्निशमन विभाग की टीम अस्पताल पहुंची है। पिछली बार जो हिदायत दी गई थी, उसमें कितना अपग्रेड किया गया है, इसका निरीक्षण किया जा रहा है। फायर सेफ्टी विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय के भीतर कमियों को दूर नहीं किया गया तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। लोदीपुर अग्निशमन पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार ने बताया, 'पिछली बार खामियां पाई गई थी, जिसके आधार पर नोटिस दिया गया था।

बेगूसराय गैंगरेप मामला, महिला आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान

लोकतंत्र की शान , पटना

पुलिस अधीक्षक से मांगी जांच रिपोर्ट, अविलंब दोषियों पर कारवाई के निर्देश दिए

बिहार के बेगूसराय जिला के चकिया थाना क्षेत्र के एक गांव में बंधक बनाकर महिला से सामूहिक दरिंदगी की गई थी। इस मामले में बिहार राज्य महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। महिला आयोग की अध्यक्ष ने बेगूसराय के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है और इस मामले पर अपने स्तर से जांच कराते हुए आवश्यक कानूनी धाराओं के अन्तर्गत मामले में संलिप्त दोषियों के विरूद्ध तुरंत कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही जांच की अपडेट रिपोर्ट भी आयोग में पेश करने को कहा है। बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष प्रो अप्सरा ने पत्र में लिखा कि, बेगूसराय जिले के चकिया थाना अन्तर्गत एक गांव में 11 जून की रात्रि लगभग 11:30 बजे शौच के लिए निकली महिला के साथ पूर्व से घात लगाए नकाबपोश बदमाशों ने उसके हाथ-पैर और मुंह बांधकर सामूहिक दुष्कर्म किया और बेरहमी से ब्लेड से वार किया। ये मामला प्रकाश में आया है, इसलिए इसपर जांच के बाद अविलंब दोषियों पर कारवाई हो।' बेगूसराय में एक महिला (28) के साथ 5 युवकों ने गैंगरेप किया। 11 जून की रात टॉयलेट के लिए महिला कमरे से निकली थी। इसी दौरान आरोपियों ने महिला को पकड़ लिया और साड़ी से उसका मुंह बांध दिया, ताकि चिल्लाने की आवाज नहीं आए। इसके बाद आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया।

पटना में अगस्त तक तैयार होंगे 4 गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन, आधुनिक मशीनों से होगा कचरा डिस्पोज

लोकतंत्र की शान , पटना

यारपुर, दीघा गोलंबर, ट्रांसपोर्ट नगर और बाजार समिति में काम जारी

पटना को कचरा मुक्त बनाने के लिए सभी अंचलों में मॉडर्न गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन बनाने की प्लानिंग है। इसमें से 4 अंचलों में सिविल वर्क का काम चल रहा है। इसमें नूतन राजधानी अंचल के यारपुर, पाटलिपुत्र के दीघा गोलंबर, कंकड़बाग के ट्रांसपोर्ट नगर और बांकीपुर अंचल के बाजार समिति के पास व्हीकल यार्ड में कार्य प्रगति पर है। पटना नगर निगम का दावा है कि अगस्त तक चारों स्थलों पर निर्माणाधीन ट्रांसफर स्टेशन बनकर तैयार हो जाएगा।

69.97 करोड़ लागत, 6 गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन होंगे तैयारः शहर की विभिन्न जगहों पर 6 गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन के निर्माण में करीब 69.97 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सबसे ज्यादा खर्च पटना सिटी अंचल में होगा। यहां करीब 13.97 करोड़ रुपये से निर्माण किया जाएगा। वहीं, पटना सिटी अंचल और अजीमाबाद अंचल में जमीन नहीं मिली है। इन दो अंचलों में जमीन उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा गया है। इसके लिए नगर निगम ने जिला प्रशासन को पत्र भेजकर जमीन आवंटित करने का अनुरोध किया है। यह कचरा ट्रांसफर स्टेशन आधुनिक मशीनों जैसे कंपैक्टर, कन्वेयर और हाइड्रोलिक सिस्टम से सुसज्जित होगा, जिससे कचरे का निपटान तुरंत, सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से किया जा सकेगा। यह स्टेशन शहर की वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगा, जिससे लोकल कलेक्शन पॉइंट से कचरे को फाइनल प्रोसेसिंग या डिस्पोजल साइट तक पहुंचाना संभव होगा।

कचरे को निर्मित विशेष प्लेटफार्मों पर उतारा जाएगाः इन कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर, घरों, दुकानों, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से छोटे वाहनों (जैसे टिपर, रिक्शा, ई-रिक्शा आदि) द्वारा इकट्ठा किए गए कचरे को गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन परिसर में निर्मित विशेष प्लेटफार्मों पर उतारा जाएगा। इसके बाद कचरे को मशीनों द्वारा संकुचित किया जाएगा, जिससे एक बार में अधिक मात्रा में कचरा लोड किया जाएगा और सीधे प्रोसेसिंग प्लांट या लैंडफिल स्थल पर भेजा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक, खाली पद, सेम और नशे की समस्या पर सड़कों से सदन तक लड़ेगी कांग्रेस : दौलतपुरिया

लोकतंत्र की शान " फतेहाबाद। फतेहाबाद से कांग्रेस विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा कि आज देश का युवा अपने भविष्य को लेकर गहरी चिंता और असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। लाखों विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक, परीक्षाओं के रद्द होने, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी तथा सरकारी नौकरियों में लगातार खाली पड़े पदों के कारण युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। पेपर लीक, खाली पद, सेम और नशे की समस्या को लेकर कांग्रेस सडक़ों से सदन तक लड़ाई लड़ेगी। विधायक बलवान सिंह शनिवार को फतेहाबाद में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनके साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा भी मौजूद रहे। विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा कि नीट सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर देशभर में सवाल खड़े हुए हैं। युवाओं का परीक्षा प्रणाली और भर्ती प्रक्रिया पर विश्वास कमजोर हुआ है। सरकार युवाओं को रोजगार देने और पारदर्शी भर्ती प्रणाली सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि हरियाणा का युवा भी बेरोजगारी, लंबित भर्ती प्रक्रियाओं और रोजगार के अवसरों की कमी से परेशान हैं। दूसरी ओर फतेहाबाद जिला सेम की गंभीर समस्या, किसानों की परेशानियों, मंडियों में अव्यवस्थाओं तथा बढ़ते नशे जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, लेकिन सरकार इन मुद्दों के स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के छात्रों, युवाओं, किसानों और आमजन की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि पेपर लीक माफिया पर कठोर कार्रवाई की जाए, लंबित भर्तियों को शीघ्र पूरा किया जाए, सरकारी विभागों के खाली पद भरे जाएं, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं तथा फतेहाबाद की सेम और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। कांग्रेस पार्टी युवाओं, किसानों और आमजन के हितों की लड़ाई सडक़ से लेकर सदन तक पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी।

ससुराल में महिला की संदिग्ध हालात में मौत, जहर खाने की आशंका

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। शहर के निकटवर्ती मथानिया स्थित भैसेर चावंडियाली गांव में रहने वाली एक महिला की ससुराल में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसके जहर खाने की आशंका जताई जाती है। पीहर पक्ष ने ससुराल वालों पर जहर देकर मारने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है। पुलिस ने दहेज हत्या का प्रकरण दर्ज किया है। शव का आज मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। शादी को तीन साल हुए थे और एक बच्चा बताया जाता है।थानाधिकारी कैलाशी ने बताया कि नरपतराम पुत्र हुकमाराम जाट ने दहेज हत्या की रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसकी पुत्री 26 वर्षीय वसुंधरा की शादी तीन साल पहले रमेश जाट के साथ की गई थी। शादी के बाद उसके एक संतान हुई। मगर उसके ससुराल वाले दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताडित करते थे। 13 जून को वह अपने ससुराल में थी। तब वसुंधरा के ससुराल वाले उसे विषाक्त पदार्थ खाने पर अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उसकी 19 जून को मौत हो गई। थानाधिकारी कैलाशी ने बताया कि उसके पीहर पक्ष ने दहेज हत्या की रिपोर्ट दी है। उनका आरोप है कि वसुंधरा को जहर दिया गया है। शव का आज मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है। जांच एसीपी मंडोर अनिल शर्मा की तरफ से की जा रही है। उसने जहर खाया अथवा दिया गया इस बारे में फिलहाल पुलिस की तरफ से गहनता से जांच की जा रही है।

राजस्थान में प्री-मानसून सक्रिय, 12 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजस्थान में प्री-मानसून की गतिविधियां लगातार सक्रिय हैं। मौसम विभाग ने शनिवार को भी प्रदेश के 12 जिलों में तेज आंधी और बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को कोटा, उदयपुर और अजमेर संभाग के कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।पिछले 24 घंटों के दौरान बूंदी, राजसमंद, अजमेर और कोटा सहित कई जिलों में एक इंच तक बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार प्री-मानसून का यह दौर 23 जून तक जारी रहने की संभावना है। शुक्रवार को दिन के समय प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद कई जिलों में बादल छाने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। उदयपुर में शाम को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया।पिछले 24 घंटों में बूंदी जिले के रायथल में सर्वाधिक 33 मिमी बारिश हुई।इसके अलावा हिंडौली में 18 मिमी, बूंदी शहर में 15 मिमी, राजसमंद के कुंभलगढ़ में 12 मिमी, सरदारगढ़ में 25 मिमी, रेलमगरा में 16 मिमी तथा अजमेर के सावर में 18 मिमी वर्षा हुई। बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर जिलों के कई क्षेत्रों में भी हल्की बारिश और बूंदाबांदी हुई।बारिश के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में गर्मी और उमस भी बनी रही। शुक्रवार को अलवर राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस मापा गया। अलवर, दौसा, भरतपुर, सीकर, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर और नागौर सहित कई जिलों में दिनभर मौसम साफ रहने से लोगों को उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी, मेघगर्जन और बारिश की गतिविधियों में और तेजी आ सकती है, जिससे तापमान में गिरावट और लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित

लोकतंत्र की शान

नागौर/ मेड़ता रोड , एजाज़ अहमद उस्मानी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, नागौर द्वारा भारत सरकार के नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत लक्ष्मी शिक्षण संस्थान जन सेवा समिति में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करना था। प्रतियोगिता में जिले के अनेक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्ति विषय पर आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टर प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विभाग के सहायक निदेशक नरेश बारोठिया ने प्रतिभागियों को नशामुक्त भारत अभियान की टी-शर्ट वितरित की तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में मधु सांखला ने प्रथम, रणवीर मालाणी ने द्वितीय तथा लकी सांखला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बारोठिया ने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने नशामुक्त भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय सहयोग देने की अपील भी की। कार्यक्रम में नशामुक्त भारत अभियान के जिला प्रभारी जय प्रकाश जाखड़ एवं दिनेश राजावत सहित विभागीय कार्मिक उपस्थित रहे। सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में संस्थान की प्रबंध निदेशक राजेश्वरी सैनी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

गैस सिलेंडर से भरे ट्रक और बल्कर में आमने-सामने टक्कर

दोनों वाहनों के चालक गंभीर रूप से घायल, रीवा रेफर

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हड़बड़ो में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। रसोई गैस सिलेंडर से भरे एक ट्रक और बल्कर वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। गैस सिलेंडर से लदा ट्रक होने के कारण दुर्घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया।

हजरत शेरे पंजतन वाले बाबा की जानेब से पिछले 15सलों से कौमी एकता के पतीक झंडा बाजार में लंगर करते आ रहेः कमाल बाबा

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : मोहर्रम के 4 तारीख को दिनांक 20 तारीख को पछले 15 सालों से हिंदू-मुस्लिम कौमी एकता के विशाल और जानेब से हजरत शेरे पंजतन ताज वाले बाबा जानेब से, हर साल की तरह इस साल शेख कमाल मंसूरी उर्फ़ कमाल बाबा के नाम से जाने जाते हैं इनके सहयोग से हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक सभीभाई लोग मिलकर झंडा बाजार में यह लंगर आयोजित होता है जिसमें सभी धर्मके लोग यह कार्यक्रम आयोजित करते हैं काफी तादाद मे लोग आकर इस नंबर का लुफत उठाते हैं 15 सालों से यह प्रोग्राम करते आ रहे हैं, अपने संदेश में कमाल बाबा ने मैं बताया कि हम सब मिलकर रहे और एक संदेशदे ताकि हिंदू मुस्लिम यह त्यौहार मनाए यादगार बने ताकि यह संदेश पूरे देश में जाए कौमी एकता का मतलब सब मिलकर इस मंच के माध्यम से हजरत शेरे पंजतन माहे मोहर्रम गम के इस त्यौहार को हम अपने इमाम हसन हुसैनको याद करें । उपस्थिति में जनाब सरफराज अहमद, शैफी भाई से कमाल मंसूरी उर्फ कमल बाबा प्रदीप गुप्ता दिलीप गुप्ता परेश गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

थांवला में पुलिस का बड़ा एक्शनः पीछा कर दबोची डोडा-पोस्त से भरी कार, दो तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

मेड़ता रोड, एजाज़ अहमद उस्मानी। नागौर जिले के थांवला थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) और थांवला थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान 100.630 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त से भरी होंडा सिटी कार को जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने थांवला थाना क्षेत्र के टहला सरहद में संदिग्ध वाहनों की जांच के लिए नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान एक होंडा सिटी कार को रुकने का संकेत दिया गया, लेकिन चालक ने वाहन नहीं रोका और तेज गति से भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए कार का पीछा किया और कुछ दूरी पर वाहन को घेरकर रोक लिया। तलाशी के दौरान कार से 100.630 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ और तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त करते हुए दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नागौर निवासी रामनिवास उर्फ मिर्धा और ओमप्रकाश के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ओमप्रकाश मेड़ता रोड थाना क्षेत्र में दर्ज एक एनडीपीएस प्रकरण में पहले से वांछित चल रहा था। वहीं, दूसरे आरोपी रामनिवास उर्फ मिर्धा के खिलाफ सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि बरामद डोडा-पोस्त की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था। पुलिस तस्करी के पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

22 हज़ार से अधिक नीट परीक्षार्थियों के लिए रेल प्रशासन द्वारा पांच स्टेशनों पर विशेष हेल्प सुविधा

» परीक्षार्थियों की सहायता में आर पी एफ, रेलवे स्टाफ, स्काउट्स एवं सेंट जॉन सदस्य पूरी मुस्तैदी से करेंगे सहयोग

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

जबलपुर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट (NEET-2026) की आज 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले परीक्षा को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले 22 हज़ार से अधिक अभ्यर्थियों के लिए रेलवे ने ट्रेनों को समय पर संचालन स्टेशन पर स्वच्छता, गुणवत्ता पूर्ण खान-पान सामग्री की उपलब्धता के साथ ही उन्हें समय पर परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंडल के जबलपुर, रीवा, कटनी, सतना, दमोह एवं सागर सहित मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि इन हेल्प डेस्कों पर परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचने के मार्गदर्शन, स्थानीय परिवहन सुविधाओं, स्टेशन परिसर संबंधी आवश्यक जानकारियों तथा ट्रेनों के आवागमन सहित अन्य उपयोगी सूचनाओं के संबंध में सहायता प्रदान की जा रही है। इसके लिए टिकट चेकिंग स्टाफ एवं अन्य स्टाफ के साथ ही अधिकारियों की भी विशेष ड्यूटी तीन शिफ्टों में लगाई गई है। साथ ही पूछताछ काउंटर एवं उद्घोषणा प्रणाली को भी सुदृढ़ किया गया है, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि जबलपुर मंडल के क्षेत्राधिकार में स्थित परीक्षा केन्द्रों वाले शहरों में लगभग जबलपुर (10,441), रीवा (5,399), सतना (2,912), सागर (2,769), एवं दमोह (1,147)। इन सभी केन्द्रों पर कुल 22,668 परीक्षार्थियों के परीक्षा में सम्मिलित होने की संभावना है। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आगमन को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां की हैं। रेलवे की संस्था स्काउट एवं गाइड तथा सेंट जॉन एंबुलेंस भी रेलवे स्टाफ के साथ मिलकर यात्रियों एवं परीक्षार्थियों को प्लेटफॉर्म, ट्रेनों एवं स्टेशन परिसर संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं महिला यात्रियों की सहायता भी कर रहे हैं।

रोहतकः महम में विधायक के कार्यालय पर फायरिंग

लोकतंत्र की शान

रोहतक। कस्बा महम से कांग्रेस विधायक के कार्यालय पर अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से कार्यालय के शीशे टूट गए। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर महम पुलिस मौके पर पहुंची और इस बारे में जांच पड़ताल की। इसी दौरान कांग्रेस विधायक भी मौके पर पहुंचे और इस बारे में पता किया। विधायक बलराम दांगी ने कहा कि प्रदेश में कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है और एक तरह से जंगलराज कायम है। शनिवार सुबह करीब सात बजे कांग्रेस विधायक बलराम दांगी महम थाने के नजदीक कांग्रेस कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कार्यालय पर फायरिंग की गई है और शीशे टूटे हुए है। इसके बाद विधायक ने घटना की सूचना महम पुलिस को दी, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि कार्यालय पर चार राउंड फायरिंग की गई है। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है।

धरने के चौथे दिन भी जारी रहा कार्य बहिष्कार भीषण गर्मी में डटे रहे दस्तावेज लेखकगण

» फ्रंट ऑफिस खोलने व रजिस्ट्री के निजीकरण के विरोध में चौथे दिन भी जारी रहा धरना

» कामकाज पूरी तरह ठप, एक भी रजिस्ट्री नहीं होने से सरकार को लाखों के राजस्व का नुकसान

लोकतंत्र की शान/ खिज़र अहमद

नजीबाबाद। उप निबंधक कार्यालय नजीबाबाद में फ्रंट ऑफिस खोलने तथा रजिस्ट्री व्यवस्था के निजीकरण के विरोध में दस्तावेज लेखकगण, अधिवक्ता एवं स्टाम्प विक्रेताओं का अनिश्चितकालीन धरना चौथे दिन भी जारी रहा। भीषण गर्मी के बावजूद प्रदर्शनकारी अपने निर्णय पर अडिग रहे और पूरे दिन कार्य का बहिष्कार करते हुए धरने पर डटे रहे। धरने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मांग की कि रजिस्ट्री व्यवस्था के निजीकरण तथा फ्रंट ऑफिस व्यवस्था संबंधी निर्णय को तत्काल वापस लिया जाए। उनका कहना है कि जब तक सरकार अपने फैसले को वापस नहीं लेती, तब तक कार्य बहिष्कार और धरना जारी रहेगा। धरने के चौथे दिन बड़ी संख्या में दस्तावेज लेखक, अधिवक्ता और स्टाम्प विक्रेता शामिल हुए। कार्य बहिष्कार के चलते उप निबंधक कार्यालय नजीबाबाद में पूरे दिन एक भी रजिस्ट्री नहीं हो सकी, जिससे सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ा। दस्तावेज लेखक संघ के अध्यक्ष मोहम्मद असलम ने बताया कि अब तक सरकार या प्रशासन के किसी भी अधिकारी द्वारा उनसे संपर्क नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय होने तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना प्रदर्शन में मोहम्मद असलम, सौरभ कुमार, शशिकांत, अब्दुल रब, अनवर शरीक, मुकुल शर्मा, शहजाद आलम, एडवोकेट जीशान अख्तर, गोविंद सिंह, रूचिन तोमर, एडवोकेट मेघनाथ, अमित सिंघल, एडवोकेट ओजेश राजपूत, रणधीर सिंह, भानु प्रकाश, गौरव कुमार, एडवोकेट बहार आलम, एडवोकेट पंकज अग्रवाल, फुरकान अहमद, तेजपाल सिंह, मोहम्मद कासिफ, सुनील भटनागर, सरताज अहमद, अनवर, शादाब, राजीव शर्मा, फहीम-उल-हसन, सोम कुमार, हरिओम सिंघल, तरुणवीर, हेमराज, राहुल कश्यप, मोहम्मद अहसान (स्टाम्प विक्रेता), मोहम्मद असगर, मोहम्मद आसिफ, रविराज कश्यप सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डेवा मंदिर में फिर स्थापित हुई बजरंगबली की मूर्ति

» थाना प्रभारी के सूझबूझ से टल गई सांप्रदायिक हिंसा की संभावना

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के थाना क्षेत्र मझौली अंतर्गत ग्राम डेवा में असामाजिक तत्वों ने 18 जून की दरमियानी रात हनुमान जी की मूर्ति खंडित कर दिया था जिस कारण ग्राम एवं अंचल में आक्रोश एवं तनाव की गंभीर स्थिति पैदा हो गई थी क्योंकि मूर्ति एवं मंदिर तोड़कर आस्था को चोट पहुंचाने की यह दूसरी वारदात थी। घटना को लेकर 19 जून को सुबह मझौली थाने में संदेहियों को लेकर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गईं थी। गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी विशाल शर्मा के द्वारा घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक,उप पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी कुसमी/ मझौली को अवगत कराय गया, जिनके मार्गदर्शन एवं अपने स्टाफ के सहयोग से साइबर सेल के माध्यम से आरोपी चक्रधारी पटेल पिता रामचरित पटेल निवासी ग्राम डेवा को उसी दिन जिला मुख्यालय सीधी से गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि ग्रामीणों के मध्य सांप्रदायिक हिंसा भड़कने की काफी संभावना दिख रही थी स्थित की नजाकत को समझते हुए फरियाद के दूसरे दिन ही थाना प्रभारी खुद बजरंगबली की मूर्ति लेकर गाँव के उसी मंदिर में पहुंच गए जहां स्थानीय प्रशासन को पूर्व से अवगत कराया गया था और मौके पर तहसीलदार कुसमी धन कुमार टोप्पो मौजूद थे जहां ग्रामीणों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर में बजरंगबली की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई जिससे सांप्रदायिक हिंसा की संभावना समाप्त हो गई। प्राण प्रतिष्ठा के समय कानून व्यवस्था के लिए थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ मौजूद रहे वहीं काफी संख्या में ग्रामीण जनों के साथ सामाजिक कार्यकर्ता महावीर यादव एवं रामनरेश गुप्ता निवासी डेवा, सरपंच ग्राम पंचायत डेवा एवं बजरंग दल प्रखंड मझौली से मनोज द्विवेदी प्रखंड मंत्री, शिवम शुक्ला सहसंयोजक, पंकज तिवारी एवं संगठन के कार्यकर्ता मनीष सोनी, हिमांशु गुप्ता,ऋषिकेश गुप्ता,विकास तिवारी भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच बोलीविया में आपातकाल लागू

ला पाज। दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया में पिछले कई सप्ताह से जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों और सड़कों की नाकेबंदी के बीच राष्ट्रपति रोड्रिगो पाज ने देश में शनिवार को अगले आदेश तक आपातकाल घोषित कर दिया। तुर्किये की सरकारी संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी और अन्य मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मजदूर यूनियनों, किसान संगठनों और पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस के समर्थकों के नेतृत्व में चल रहे प्रदर्शनों में राष्ट्रपति पाज के इस्तीफे की मांग की जा रही है। प्रदर्शनकारी बढ़ती महंगाई, आर्थिक दबाव, ईंधन संकट और जीवनयापन की बढ़ती लागत को लेकर सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं। लगातार जारी नाकेबंदी के कारण देश के कई हिस्सों में खाद्य पदार्थों, ईंधन और दवाइयों की कमी हो गई है। पिछले लगभग 50 दिनों से आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होने से व्यापार, परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला पर व्यापक असर पड़ा है। राष्ट्र के नाम संबोधन में राष्ट्रपति पाज ने कहा कि उन्होंने देशभर में सड़कों पर सामान्य आवाजाही बहाल करने के लिए "स्टेट ऑफ़ एक्सेप्शन" लागू करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, "बोलीविया के लोग ऐसी नाकेबंदी के बंधक बनकर नहीं रह सकते जो उन्हें काम करने, पढ़ाई करने, इलाज कराने, जरूरी सामान जुटाने और अपने घरों तक राशन पहुंचाने से रोकती हो।" राष्ट्रपति ने कहा कि इस कदम से सेना और पुलिस को व्यवस्था बहाल करने तथा देशभर में यातायात और आवश्यक सेवाओं को सामान्य करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ संगठित समूह हिंसा का सहारा लेकर देश को ठप करने की कोशिश कर रहे हैं। पाज ने बताया कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की और जायज मांगों पर समझौते की कोशिश भी की, लेकिन हालात में सुधार नहीं होने के कारण आपातकाल लागू करने का निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि पिछले महीने राष्ट्रपति पाज ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत सेना को आंतरिक संघर्षों में हस्तक्षेप करने की अनुमति दी गई थी। हालांकि उन्होंने पहले कहा था कि आपातकाल लागू करना अंतिम विकल्प होगा।

ट्रंप का दावा: सिर्फ मेरी वजह से इजरायल बचा है

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इजरायल के प्रति पूर्व में रहा प्रेमपूर्ण रवैया अब बदलता हुआ दिख रहा है। कभी इजरायल पर अगाध स्नेह लुटाने वाले ट्रंप अब एहसान गिना रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि अगर वह न होते तो इजरायल का अस्तित्व भी समाप्त हो गया होता। उनकी इन टिप्पणियों से अमेरिकी विदेश नीति और मध्य पूर्व के प्रति उनके दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव की झलक मिलती है। ट्रंप के मुताबिक, उनकी विदेश नीति के फैसलों ने ही इजरायल के अस्तित्व को सुनिश्चित किया। उन्होंने तर्क दिया कि उनके दखल के बिना, इलाके में बढ़ते टकराव के बीच इजरायल को अपने अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा झेलना पड़ता। एक हालिया इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा, अगर डोनाल्ड ट्रंप नहीं होते...तो इजरायल खत्म हो गया होता। उन्होंने अपनी सरकार की सैन्य और कूटनीतिक कार्रवाइयों को मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदलने का श्रेय दिया। इस दावे को उन्होंने सीधे ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका के पीछे हटने के अपने फैसले से जोड़ा, जिसकी उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान लगातार बुनियादी तौर पर खराब होने के लिए आलोचना की थी। ट्रंप ने तत्कालीन ओबामा प्रशासन द्वारा किए गए परमाणु समझौते का जिक्र करते हुए कहा, अगर मैंने बराक हुसैन ओबामा वाले समझौते को खत्म नहीं किया होता... तो आज इजरायल का अस्तित्व नहीं होता। वे उस डील की बात कर रहे थे जिससे वे अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका को बाहर ले आए थे। उन्होंने ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने वाले अमेरिकी सैन्य अभियानों की ओर भी इशारा किया, यह कहते हुए कि पश्चिम एशिया में तनाव को और बढ़ने से रोकने में ये निर्णायक साबित हुए। ट्रंप ने दावा किया कि बी2 बॉम्बर्स ने अपना काम किया, उन हवाई अभियानों का जिक्र करते हुए जिन्होंने कथित तौर पर ईरान की परमाणु क्षमताओं और सैन्य तैयारियों को काफी कमजोर कर दिया था। ट्रंप के मुताबिक, उनके इन सभी कदमों ने इलाके में बड़े पैमाने पर तबाही को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, खासकर ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब अमेरिका और इजरायल के बीच रिश्तों में तनाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। ईरान परमाणु समझौते को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद जगजाहिर हैं, जहां इजरायल हमेशा से ईरान पर सख्त रुख अपनाने का पक्षधर रहा है। ट्रंप के ये दावे मध्य पूर्व की भू-राजनीति और अमेरिका की भविष्य की विदेश नीति को लेकर नई बहस छेड़ सकते हैं।

अबू धाबी परीक्षा केंद्र आवंटन पर एनटीए ने कहा- उम्मीदवार के लॉगिन से ही किया गया था शहर परिवर्तन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नागपुर के एक अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र के रूप में अबू धाबी आवंटित किए जाने को लेकर शनिवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि परीक्षा शहर में बदलाव उम्मीदवार के स्वयं के पंजीकृत लॉगिन के माध्यम से किया गया था और एजेंसी के रिकॉर्ड में एक ही उपयोगकर्ता द्वारा लगातार एक्सेस किए जाने का पैटर्न दर्ज है। एनटीए ने कहा कि 21 जून को निर्धारित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की परीक्षा के पुनर्निर्धारण के बाद अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा शहर संशोधन (सिटी करेक्शन) विंडो दोबारा खोली गई थी। इस दौरान लगभग 3.2 लाख अभ्यर्थियों ने अपने परीक्षा शहर में संशोधन किया और उनमें से 99.5 प्रतिशत से अधिक को उनकी पसंद का परीक्षा शहर आवंटित किया गया। एजेंसी के अनुसार संबंधित मामले में 'अबू धाबी' परीक्षा केंद्र का चयन अभ्यर्थी के पंजीकृत लॉगिन से ही किया गया था। वेब गतिविधि रिकॉर्ड से यह भी स्पष्ट होता है कि संशोधन प्रक्रिया के दौरान एक ही उपयोगकर्ता द्वारा लगातार लॉगिन और एक्सेस किया गया। एनटीए ने बताया कि उसके रिकॉर्ड के अनुसार तीन अलग-अलग अवसरों पर अबू धाबी केंद्र से संबंधित गतिविधि दर्ज की गई। एक बार अभ्यर्थी के क्रेडेंशियल्स का उपयोग कर परीक्षा केंद्र को अबू धाबी में बदला गया, जबकि दो अन्य अवसरों पर उम्मीदवार ने यह पूर्वावलोकन (प्रीव्यू) भी देखा कि उसका परीक्षा केंद्र अबू धाबी दर्शाया जा रहा है। इसके बावजूद एजेंसी को 19 जून की शाम परीक्षा से केवल 48 घंटे पहले केंद्र को नागपुर में बदलने का एक अनौपचारिक अनुरोध प्राप्त हुआ। एनटीए ने कहा कि अनुरोध मिलते ही उसके अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और उसी शाम अभ्यर्थी के पिता से संपर्क कर औपचारिक प्रक्रिया पूरी कराने में सहायता प्रदान की। एजेंसी ने कहा कि अभ्यर्थी के अनुरोध को स्वीकार करते हुए परीक्षा केंद्र परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी की गई, ताकि उम्मीदवार को परीक्षा में शामिल होने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। एनटीए ने दोहराया कि उसकी प्राथमिकता 'स्टूडेंट-फर्स्ट' दृष्टिकोण के तहत यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी शंका के कारण कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित न रहे।

12 दिन से अटका मानसून 23 जून से आगे बढ़ेगा

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। 12 दिनों से तेलंगाना में अटका मानसून अब आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 23 जून तक इसके छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून के लिए जरूरी सिस्टम सक्रिय हो गया है। इससे मध्य भारत में चक्रवातीय घेरा बना हुआ है, जिससे मानसून के बादल उत्तर भारत की तरफ आ सकते हैं। मानसून 15 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में अटका हुआ है। बिहार में शुक्रवार को बिजली गिरने से 6 लोगों की और झारखंड में 8 लोगों की जान गई। राजस्थान के 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 21 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, महाराष्ट्र के विदर्भ में 19 से 23 जून तक ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ में भी 19 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने की आशंका है। मौसम का यह बदलाव सिर्फ मध्य भारत तक सीमित नहीं। तमिलनाडु और पुडुचेरी में 19 से 21 जून के बीच कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है, जबकि केरल में भी 19 से 23 जून के बीच भारी बारिश होने की संभावना है।

सरकार ने 16 दवा कॉम्बिनेशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई

स्किन और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट भी शामिल, कहा- इनसे इलाज में फायदे से ज्यादा जोखिम

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देशभर में 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेश (FDC) दवाएं बनाने, वितरण, बिक्री और सप्लाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इन दवाओं से फायदे की अपेक्षा जोखिम ज्यादा हैं। इन दवाओं में इलाज के लिहाज से कुछ नहीं मिला। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम लोगों की सुरक्षा बढ़ाने और दवाओं के सही इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है, ताकि केवल वैज्ञानिक रूप से सही और असरदार दवाएं ही बाजार में उपलब्ध रहें। न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और FDC दवाओं की समीक्षा के आधार पर लिया गया। इसके लिए ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (DTAB) ने विशेषज्ञ समिति बनाई थी। समिति ने कई दवा कॉम्बिनेशन की जांच की और कुछ को अवैज्ञानिक, इलाज के लिहाज से गैर-जरूरी और मरीजों के लिए संभावित रूप से

नुकसानदायक पाया। FDC यानी ऐसी दवाएं, जिनमें दो या उससे ज्यादा एक्टिव फॉर्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट्स (API) तय अनुपात में मिलाए जाते हैं। मंत्रालय ने यह प्रतिबंध ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26A के तहत जारी अधिसूचनाओं के जरिए लगाया है।

राज्यों को दिए गए सख्त निर्देश: स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इससे पहले भी वैज्ञानिक समीक्षा के बाद कई गैर-तर्कसंगत FDC दवाओं पर रोक लगाई जा चुकी है। सभी राज्यों के ड्रग कंट्रोलर, नियामक संस्थाओं और प्रवर्तन एजेंसियों को इन आदेशों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दवा निर्माता, आयातक, वितरक और अन्य संबंधित पक्षों को कानून के मुताबिक जरूरी कदम उठाने के लिए कहा गया है।

क्या होती हैं FDC दवाएं: फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (FDC) ऐसी दवाएं होती हैं, जिनमें दो या उससे ज्यादा एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट (API) तय अनुपात में एक ही टैबलेट, कैप्सूल या सिरप में मिलाए जाते हैं। कई बीमारियों में ऐसे कॉम्बिनेशन मरीज के लिए फायदेमंद होते हैं, क्योंकि इससे दवाओं की संख्या कम होती है और इलाज आसान बनता है। हालांकि, हर कॉम्बिनेशन वैज्ञानिक रूप से सही नहीं होता। अगर अलग-अलग दवाओं को बिना पर्याप्त रिसर्च या मेडिकल जरूरत के एक साथ मिला दिया जाए, तो मरीज को अनावश्यक दवाएं भी लेनी पड़ती हैं। इससे साइड इफेक्ट का खतरा बढ़ सकता है, दवा का असर घट सकता है और डॉक्टर के लिए यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि समस्या किस दवा से हुई।

दिल्ली में अगले 24 घंटों में हल्की बारिश, बिहार, तेलंगाना में लू के आसार

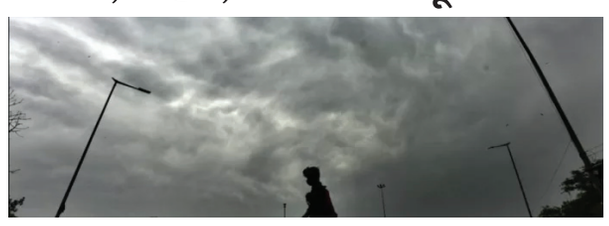

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में अगले 24 घंटों के दौरान गरज के साथ हल्की बारिश और तेज हवा चलने के आसार हैं। एनसीआर के गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गुरुग्राम और फरीदाबाद के कुछ जगहों पर भी यही स्थिति रहने का पूर्वानुमान है। वहीं बिहार, तेलंगाना, कोंकण और गोवा जैसे कुछ क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक लू जारी रहने के आसार हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए अगले सात दिनों का पूर्वानुमान जारी किया है। इसके मुताबिक राजधानी में रविवार का तापमान 38-40 डिग्री सेल्सियस रहेगा जबकि आर्द्रता 65-45 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। अगले तीसरे दिन भी यही स्थिति जारी रहेगी लेकिन उमस का प्रतिशत 70-45 के बीच रहने की संभावना है। इसके बाद राजधानी के कुछ जगहों पर अगले चार दिन (23-26 जून तक) आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं। इस दिन यहां का मौसम भी सामान्य रहने की संभावना है।

आईएमडी के मुताबिक एक तरफ देश के कुछ हिस्से के लोग दक्षिण-पश्चिम मानूसन का आनंद ले रहे हैं वहीं दूसरी तरफ बिहार, तेलंगाना, कोंकण और गोवा जैसे कुछ क्षेत्रों में दक्षिण-पश्चिम मानूसन धीमी गति से बढ़ रहा है, इसलिए यहां अगले कुछ दिनों तक लू जारी रहने के आसार हैं, जिससे यहां के निवासियों को फिलहाल गर्म हवाओं से राहत मिलना बाकी है। इस सप्ताह उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के जोरदार असर दिखाने के आसार हैं, क्योंकि मौसम अधिकारियों ने इन क्षेत्रों के लिए भारी वर्षा होने की चेतावनी जारी की है।

मालदा बॉर्डर पर तनाव, 'पुशबैक' को लेकर बीएसएफ–बीजीबी आमने-सामने

एजेंसी, मालदा

पश्चिम बंगाल में मालदा जिले के वैष्णवनगर के सुखदेवपुर स्थित भारत- बांग्लादेश सीमा पर शनिवार तड़के उस समय तनाव फैल गया, जब कथित बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने (पुशबैक) की प्रक्रिया के दौरान हालात बिगड़ गए। सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए घुसपैठियों को शुक्रवार रात सीमा के जरिए बांग्लादेश भेजा गया था। लेकिन वहां की बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने उन्हें अपने क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी।

इसके बाद सीमा पार बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और दोबारा भारत में घुसने की कोशिश करने लगे। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला करने की कोशिश भी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बीएसएफ ने

सख्त रुख अपनाया।

बताया जा रहा है कि इस इलाके में करीब 1200 मीटर सीमा अभी भी बिना कंटीले तार (फेंसिंग) के है, जिसका फायदा उठाकर बार-बार घुसपैठ और जमीन कब्जाने की शिकायतें सामने आती रही है।

इस मामले पर स्थानीय विधायक राजू कर्मकार ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर घुसपैठियों को वापस भेजा जा रहा था, लेकिन बांग्लादेश अपने नागरिकों को स्वीकार नहीं कर रहा। दिन भर तनावपूर्ण स्थिति के बाद शाम को हालात कुछ हद तक सामान्य हुए हैं, लेकिन इलाके में अब भी सतर्कता बरती जा रही है।

तेलंगाना के भूमि रिकॉर्ड उप निदेशक के बैंक लॉकर से 1.5 करोड़ रुपये नकद बरामद, सौ करोड़ से अधिक संपत्ति की आशंका

एजेंसी, हैदराबाद

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के दौरान तेलंगाना के सर्वेक्षण एवं भूमि रिकॉर्ड विभाग, मल्टी-ज़ोन-II के उप निदेशक सुनकारी नरहरी राव के बैंक लॉकर से 1.50 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है तथा जांच एजेंसी को आरोपित अधिकारी के पास घोषित आय से कहीं अधिक संपत्ति होने के संकेत मिले हैं। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, शनिवार को जांच दल नरहरी राव को हैदराबाद के शालीबंडा स्थित एक बैंक में लेकर पहुंचा। वहां उनके नाम से संचालित लॉकर को विधिवत खोला गया। लॉकर की तलाशी के दौरान उसमें रखी 1.50 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई। बरामद राशि को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि एसीबी ने 16 जून को नरहरी राव को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद एजेंसी ने उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (डिसप्रोपोर्शनेट एसेट्स) का मामला दर्ज

करते हुए व्यापक जांच शुरू की। इसी क्रम में मंगलवार को हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में उनसे जुड़े 10 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई थी।

तलाशी अभियान के दौरान जांच एजेंसी को बड़ी मात्रा में चल और अचल संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज मिले। प्रारंभिक जांच में हैदराबाद तथा उसके आसपास के इलाकों में कई महंगे भूखंडों, फ्लैटों और अन्य संपत्तियों का पता चला है। इसके अलावा बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण, निवेश संबंधी कागजात तथा अन्य वित्तीय दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। एसीबी के अधिकारियों का कहना है कि अब तक की जांच में नरहरी राव से जुड़ी 30 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों का पता चल चुका है। हालांकि बैंक लॉकर से नकदी बरामद होने और विभिन्न दस्तावेजों के गहन परीक्षण के बाद यह आशंका जताई जा रही है कि उनकी कुल संपत्ति का मूल्य 100 करोड़ रुपये से भी अधिक हो सकता है। एजेंसी संपत्तियों के वास्तविक मूल्यांकन और उनके स्रोतों की जांच कर रही है।

जांच अधिकारियों के अनुसार बरामद दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि संपत्तियां किस प्रकार अर्जित की गईं और क्या इनमें किसी बेनामी निवेश या अन्य व्यक्तियों की भूमिका भी शामिल है। इसके लिए बैंक खातों, निवेश रिकॉर्ड और संपत्ति खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। एसीबी ने कहा है कि मामले की जांच अभी जारी है और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एजेंसी का मानना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।

अमेरिका ने जी7 समिट के दौरान भारत विरोधी काम किए, लेकिन मोदी ने नहीं किया पलटवार : कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि फ्रांस के एवियन में 15-17 जून तक आयोजित जी-7 शिखर सम्मलेन के दौरान अमेरिका द्वारा 'यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड' का नाम बदलने, नक्शे में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाने और भारतीयों के लिए वीजा बंद करने जैसे भारत विरोधी काम हुए। इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के जरूरी मुद्दों को नहीं उठाया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि इस मुलाकात के दौरान भारत के हितों के खिलाफ तीन बड़ी बातें हुईं। पहली यह कि अमेरिका ने 'यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड' का नाम बदलकर 'यूएस पैसिफिक

कमांड' कर दिया। दूसरी, अमेरिका ने अपने नक्शे में पीओके के हिस्से को पाकिस्तान का दिखा दिया। तीसरी और सबसे गंभीर बात यह रही कि अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने जुलाई 2026 के वीजा बुलेटिन में भारतीयों के लिए ईबी-2 और ईबी-5 वीजा बंद कर दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने ट्रंप के सामने देश से जुड़े संवेदनशील और जरूरी मुद्दों पर पूरी तरह चुप्पी साधे रखी। अमेरिका ने भारत के मेहमान रहे 'आईआरआईएस देना' को डुबो दिया था, लेकिन दुर्भाग्यवश प्रधानमंत्री ने ट्रंप से इस पर भी कोई सवाल नहीं पूछा। खेड़ा ने कहा कि साल 1986 में 'वॉइस ऑफ अमेरिका' श्रीलंका में भारतीय तट के ठीक बगल में अपना ट्रांसमीटर लगाना चाहता था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने देश की संप्रभुता को देखते हुए ऐसा नहीं होने दिया था। वहीं, राजनयिक देवयानी खोबरागड़े के मामले में डॉ. मनमोहन सिंह ने बतौर प्रधानमंत्री अमेरिका को जो कड़ा संदेश दिया था, उससे पूरा विश्व हैरान रह गया था। पाकिस्तान को एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की ग्रे लिस्ट में लाने वाली यूपीए सरकार थी, लेकिन आज ट्रंप 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को डिनर पर आमंत्रित करते हैं।

उन्होंने कहा कि मुलाकात के दौरान ट्रंप का यह बयान कि 'मोदी के प्रधानमंत्री रहते कोई भारत पर हमला करेगा तो अमेरिका मदद करेगा', ऐसा था जैसे हम अमेरिका के अधीन हों। भारत ने हमेशा अपने दम पर कई युद्ध जीते हैं। अमेरिका ने हमारे तीन नाविकों की हत्या कर दी और ट्रंप ने खेद तक व्यक्त नहीं किया।

टीएमसी नेता जहांगीर खान की पत्नी गिरफ्तार

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) नेता जहांगीर खान की पत्नी सरीना बीबी (37) को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। उन पर फालता पुलिस स्टेशन पर भीड़ जुटाकर पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमले और जहांगीर खान को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 16 जून को सरीना बीबी ने समर्थकों को जुटाकर थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कराया था। भीड़ ने सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी भी की। मामले में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जहांगीर खान को पुलिस ने 8 जून को भारत से भागने के दौरान नेपाल बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कई बार फालता में उसकी परेड कराई। इस दौरान जहांगीर कान पकड़कर और हाथ जोड़कर लोगों से

समर्थकों के साथ फालता थाने पर हमले का आरोप

माफी मांगता दिखा। जहांगीर बंगाल विधानसभा चुनाव में फालता सीट से TMC उम्मीदवार था। वोटिंग से ठीक पहले उसने चुनावी मैदान छोड़ दिया था। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अदिकारी ने 17 जून को फालता थाने पर हमले की घटना पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने पुलिस से विरोध-प्रदर्शन और हिंसा के वीडियो फुटेज में दिख रहे सभी लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ मामला दर्ज करने कहा था।

महाराष्ट्र के रत्नागिरी के समुद्र में संभाजीनगर के 8 लोग डूबे, 3 बचाए गए और 5 लापता

मुंबई। महाराष्ट्र के रत्नागिरी के गणपतिपुले समुद्र में शनिवार को घूमने आए संभाजीनगर के आठ लोगों में से पांच लोग समुद्र में लापता हो गए हैं। तीन को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। मौके पर रत्नागिरी पुलिस और गोताखोरों की टीम लापता पांच लोगों को ढूंढ रही है।

इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह छत्रपति संभाजीनगर के कुछ टूरिस्ट गणपतिपुले घूमने आए थे। सुबह उनमें से कुल 8 लोग समुद्र में गए थे। अचानक आई लहरों और समुद्र के पानी के अचानक बदलने की वजह से वे सभी पानी में बहने लगे। जैसे ही स्थानीय नागरिकों को पता चला कि पर्यटक समुद्र में डूब रहे हैं, लोकल लाइफगार्ड और लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। 8 में से 3 पर्यटकों को समुद्र से सुरक्षित निकाल लिया गया। हालांकि, बाकी 5 अभी भी लापता हैं। पुलिस और क्षेत्रीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

मनोहर लाल ने किया सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

एजेंसी, उज्जैन

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को उज्जैन में सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 778 करोड़ रुपये राशि की लागत से किए जा रहे 29.15 किमी लंबे नवीन घाट निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव सनातन संस्कृति के वैभव अनुरूप हो।

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने नवनिर्मित त्रिवेणी घाट के निरीक्षण के दौरान सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किए जा रहे नवीन घाट निर्माण कार्य

की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 29.15 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य 778 करोड़ रुपये राशि से किया जा रहा है। नवीन घाटों पर श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए 150 से अधिक स्थान चिन्हित किए गए हैं। नवीन घाट निर्माण कार्य अंतर्गत 18.20 किमी लंबी रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जा चुका है, साथ ही 7 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 22 किमी में घाट निर्माण कार्य तेजी से प्रगतिरत है। निरीक्षण के दौरान, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय व तुलसीराम सिलावट ने त्रिवेणी घाट पर नीम, रुद्राक्ष, पीपल के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश वृक्षों और वनों से आच्छादित रहे, यह सरकार की प्राथमिकता है।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री ने शनिवार को कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने परियोजना के टनल भाग में उतरकर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान चिंतामन जवासिया गांव के समीप स्थित

मुख्यमंत्री बोले-प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 को भव्य-दिव्य बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही सरकार

शाफ्ट नंबर-2 पर फेस नंबर-3 के कार्य की विस्तृत जानकारी ली। एसीएस डॉ. राजेश राजौरा ने योजना की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसके अलावा टनल पहुंच एवं रखरखाव संबंधी तकनीकी पहलुओं की जानकारी भी दी गई। उल्लेखनीय है कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित जल को शहर में शिप्रा नदी के प्रमुख घाटों एवं तीर्थ स्थलों में मिलने से रोकना है, जिससे शिप्रा नदी का जल पवित्र एवं स्वच्छ बना रहे। परियोजना के अंतर्गत ग्राम जमालपुरा, तहसील उज्जैन में कान्ह नदी पर एक बैराज का निर्माण किया जा रहा है, जिससे दूषित जल को क्लोज डक्ट के माध्यम से 30.15 किमी की दूरी तय कर गम्भीर बांध के डाउनस्ट्रीम में छोड़ा जाएगा।

परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति राशि 919.94 करोड़ रुपये है। इसकी कुल लंबाई 30.15 किमी (कट एंड कवर डक्टः 18.15 किमी + टनलः 12.00 किमी) है। टनल भाग में 4 शाफ्टों का निर्माण पहुंच एवं सफाई-रखरखाव के लिए किया गया है। डक्ट का डी-आकार का क्रॉस सेक्शन, अधिकतम 40 क्यूमेक्स दूषित जल की निकासी क्षमता का है।

परियोजना को आगामी 25 वर्ष तक की जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। वर्तमान में बैराज का निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा हेड रेगुलेटर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। कट एंड कवर भाग की कुल 18.15 किमी लंबाई में से 4.50 किमी में प्री-कास्ट सेगमेंट्स का लेइंग कार्य पूर्ण हो चुका है, शेष कार्य प्रगति पर है।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 की धारा 26 ए का डंडा चला-16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंधः जनस्वास्थ्य सुरक्षा, वैज्ञानिक दवा नीति और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» जनहित और रोगी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इनपर प्रतिबंध लगाना आवश्यक समझा गया- रोगियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम भी उत्पन्न कर सकते हैं

» जनहित,विज्ञान और स्वास्थ्य सुरक्षा के समन्वय का यह उदाहरण आने वाले वर्षों में भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय,सुरक्षित और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 20 जून 2026 को जनस्वास्थ्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लिया। मंत्रालय ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 की धारा 26ए के अंतर्गत अधिसूचना जारी कर 16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक, उत्तरदायी और साक्ष्य-आधारित औषधि नीति का स्पष्ट संकेत भी है। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया दवा सुरक्षा,एंटीबायोटिक प्रतिरोध, तर्कसंगत औषधि उपयोग और रोगी सुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब भारत का यह कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन अर्थात ऐसी दवाएं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय तत्वों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक ही दवा के रूप में तैयार किया जाताहै चिकित्सा विज्ञान में एफडीसी का सिद्धांत नया नहीं है। यदि दो या अधिक दवाओं का संयोजन रोगी के लिए अधिक प्रभावी, सुरक्षित, सुविधाजनक और उपचार अनुपालन को बेहतर बनाने वाला हो तो ऐसे संयोजन अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। क्षय रोग, एचआईवी, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी अनेक बीमारियों के उपचार में वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित एफडीसी दवाओं कासफल उपयोग किया जाता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि समस्या तब उत्पन्न होती है जब पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन क्लिनिकल परीक्षण और चिकित्सीय औचित्य के बिना अनेक दवा संयोजन बाजार में उपलब्ध हो जाते हैं। ऐसे संयोजन न केवल अपेक्षित लाभ देने में विफल रहते हैं, बल्कि कई बार रोगियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम भी उत्पन्न कर सकते हैं।स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार विशेषज्ञ समितियों, तकनीकी सलाहकार समूहों और वैज्ञानिक मूल्यांकन के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि संबंधित 16 एफडीसी दवाओं का पर्याप्त चिकित्सीय औचित्य उपलब्ध नहीं है।उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर यह पाया गया कि इन दवाओं के उपयोग से होने वाले संभावित जोखिम इनके संभावित लाभों की तुलना में अधिक हैं।इसलिए जनहित और रोगी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक समझा गया। साथियों, इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह भारत में तर्कसंगत औषधि उपयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है। चिकित्सा विज्ञान का मूल सिद्धांत है कि प्रत्येक दवा का उपयोग केवल तभी किया जाए जब उसका लाभ उसके जोखिम से अधिक हो। यदि किसी दवा या दवा संयोजन के प्रभावी और सुरक्षित होने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध न हों, तो उसका बाजार में बने रहना उचित नहीं माना जा सकता। यही सिद्धांत इस निर्णय की आधारशिला है।प्रतिबंधित 16 एफडीसी दवाओं में विभिन्न श्रेणियों के संयोजन शामिल हैं। इनमें एंटीबायोटिक संयोजन, दर्द निवारक दवाएं, त्वचा रोग उपचार संबंधी क्रीम और लोशन, मधुमेह उपचार के कुछ बहु-घटक संयोजन, एंटीफंगल- स्टेरॉयड-एंटीबायोटिक क्रीम तथा अन्य बहु-घटक दवा संयोजन शामिल हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्रतिबंधित संयोजनों में निम्न प्रकार के प्रमुख संयोजन शामिल हैं-निश्चित खुराक संयोजन दवाओं की प्रतिबंधित सूची एमोक्सिसिलिन + सेराटियोपेप्टिडेज़ + लैक्टोबैसिलस स्पोरोजेन्स, एमोक्सिसिलिन + सेराटियोपेप्टिडेज़ एमोक्सिसिलिन + क्लोक्सासिलिन + लैक्टिक एसिड बैसिलस + सेराटियो पेप्टिडेज़,सेफ्यूरोक्सिम + सेराटियोपेप्टिडेज़, सेफैड्रोक्सिल + प्रोबेनेसिड, डाइसाइक्लोमाइन + पैरासिटामोल + क्लिडिनियम ब्रोमाइड + क्लोर्डियाज़ेपॉक्साइड,डाइसाइक्लो माइन +पैरासिटामोल + क्लिडिनियम ब्रोमाइड,एलोवेरा का अर्क +

एलेंटोइन + अल्फाटोकोफेरोल एसीटेट + डी-पैन्थेनॉल + विटामिन ए,एलोवेरा का अर्क + विटामिन ई + डाइमेथिकोन + ग्लिसरीन, एलोवेरा + जोजोबा ऑयल + विटामिन ई,एलोवेरा + संतरे का तेल, एलोवेरा + विटामिन ई + हर्बल,पैरासिटामोल + लिग्नोकेन ग्लिक्लाजाइड + क्रोमियम पिकोलीनेट समिति द्वारा समीक्षा की गई दो अतिरिक्त निश्चित खुराक वाली दवाओं के संयोजन को भी पर्याप्त चिकित्सीय समर्थन के अभाव में प्रतिबंधित कर दिया गया।अन्य वैज्ञानिक आधारहीन बहु-घटक एफडीसी उत्पाद। साथियों, उल्लेखनीय है कि अंतिम आधिकारिक अधिसूचना में प्रत्येक उत्पाद का विस्तृत रासायनिक नाम, शक्ति तथा संरचना का विवरण उपलब्ध होता है, जिसके आधार पर संबंधित उत्पादों की पहचान की जाती है।इन प्रतिबंधित दवाओं में एंटीबायोटिक संयोजनों को लेकर विशेष चिंता व्यक्त की गई है।आज पूरी दुनिया एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस अर्थात एंटीबायोटिक प्रतिरोध की गंभीर समस्या से जूझ रही है। जब एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक या अनुचित उपयोग किया जाता है, तो जीवाणु धीरे-धीरे उन दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। परिणामस्वरूप सामान्य संक्रमणों का उपचार कठिन हो जाता है और मृत्यु दर बढ़ने लगती है। विश्व स्वास्थ्य समुदाय कई वर्षों से चेतावनी दे रहा है कि यदि एंटीबायोटिक प्रतिरोध को नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में सामान्य संक्रमण भी घातक सिद्ध हो सकते हैं। ऐसे में वैज्ञानिक आधार के बिना तैयार किए गए एंटीबायोटिक संयोजन सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सटीकता से गंभीर खतरा बन सकते हैं। साथियों, भारत विश्व के सबसे बड़े दवा उत्पादक देशों में से एक है। वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका तथा अनेक विकसित देशों में भारतीय दवाओं का व्यापक उपयोग होता है। इसलिए भारत की औषधि नियामक प्रणाली द्वारा लिया गया प्रत्येक निर्णय वैश्विक औषधि बाजार और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी प्रभाव डालता है। जब भारत किसी दवा या दवा संयोजन को वैज्ञानिक आधार पर प्रतिबंधित करता है, तो यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी एक स्पष्ट संदेश देता है कि रोगी सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रमाण सर्वोच्च प्राथमिकता हैं।इस निर्णय का कानूनी आधार औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 26ए है। यह धारा केंद्र सरकार को यह अधिकार प्रदान करती है कि यदि किसी दवा के उपयोग से मानव स्वास्थ्य को जोखिम हो सकता है अथवा उसके सुरक्षित एवं प्रभावी होने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध न हों, तो सरकार उसके निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा सकती है।यह प्रावधान भारतीय औषधि नियामक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण सुरक्षा तंत्र है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को संभावित रूप से हानिकारक दवाओं से बचाना है।भारत सरकार इससे पहले भी कई अवसरों पर इसी धारा का उपयोग कर चुकी है। पिछले वर्षों में सैकड़ों फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध लगाया गया था। उन निर्णयों का उद्देश्य भी यही था कि बाजार में केवल वही दवाएं उपलब्ध रहें जिनकी प्रभावशीलता और सुरक्षा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हो।वर्तमान निर्णय उसी प्रक्रिया की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।दवा उद्योग के दृष्टिकोण से भी यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है।आधुनिक फार्मास्युटिकल उद्योग में अनुसंधान, नवाचार और गुणवत्ता नियंत्रण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। जब नियामक संस्थाएं वैज्ञानिक मानकों को कठोरता से लागू करती हैं,तो दवा कंपनियां भी अधिक शोध, बेहतर क्लिनिकल परीक्षण और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के पालन के लिए प्रेरित होती हैं। इससे पूरे उद्योग की विश्वसनीयता बढ़ती है और रोगियों को सटीकता से सुरक्षित उपचार उपलब्ध होता है। साथियों, विशेषज्ञों का मानना है कि दवा बाजार में केवल उत्पादों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक लक्ष्य यह होना चाहिए कि उपलब्ध प्रत्येक दवा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, प्रभावी और सुरक्षित हो। यही कारण है कि विश्व के विकसित देशों में दवाओं की स्वीकृति के लिए कठोर वैज्ञानिक परीक्षण आवश्यक होते हैं। भारत भी इसी दिशा में, आगे बढ़ रहा है और वर्तमान निर्णय इस प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।रोगियों के लिए भी यह निर्णय महत्वपूर्ण संदेश देता है। अनेक लोग बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का उपयोग करते हैं या फार्मेसी से सीधे दवाएं खरीद लेते हैं। विशेष रूप से एंटीबायोटिक दवाओं का अनियंत्रित उपयोग लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार सलाह देते रहे हैं कि किसी भी दवा का उपयोग केवल योग्य चिकित्सक की सलाह पर ही किया जाना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति वर्तमान में प्रतिबंधित संयोजन वाली दवा का उपयोग कर रहा है, तो उसे घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने चिकित्सक से परामर्श लेकर उपयुक्त वैकल्पिक उपचार अपनाना चाहिएस्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना का मूल सार यह है कि केंद्र सरकार ने उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों, विशेषज्ञ समितियों की सिफारिशों और सार्वजनिक स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखते हुए यह संतोष व्यक्त किया कि संबंधित 16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं का कोई पर्याप्त चिकित्सीय औचित्य नहीं है तथा उनका उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकता है। साथियों, जनहित में इनके निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाता है। यही अधिसूचना इस निर्णय का आधिकारिक आधार है।यदि इस निर्णय को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो यह केवल 16 दवाओं पर प्रतिबंध का मामला नहीं है,बल्कि भारत की स्वास्थ्य नीति में गुणवत्ता, पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्णय दर्शाता है कि सरकार केवल दवाओं की उपलब्धता पर ही नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और प्रभावशीलता पर भी समान रूप से ध्यान दे रही है। रोगी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना किसी भी आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की पहचान होती है।आज जब विश्व स्वास्थ्य संगठन, विभिन्न राष्ट्रीय नियामक संस्थाएं औरचिकित्सा वैज्ञानिक तर्कसंगत औषधि उपयोग तथा एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध की रोकथाम पर जोर दे रहे हैं, तब भारत का यह कदम वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों के अनुरूप दिखाई देता है। इससे न केवल भारतीय नागरिकों को सुरक्षित उपचार मिलेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय दवा उद्योग की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा भी मजबूत होगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि कहा जा सकता है कि स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर लगाया गया प्रतिबंध जनस्वास्थ्य सुरक्षा, वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति और जिम्मेदार औषधि नियमन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह निर्णय रोगियों की सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा, एंटीबायोटिक प्रतिरोध जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में योगदान देगा, दवा उद्योग में अनुसंधान एवंगुणवत्ता को प्रोत्साहित करेगा तथा भारत को साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य नीति अपनाने वाले अग्रणी देशों की श्रेणी में और अधिक मजबूत स्थानदिलाएगा। जनहित, विज्ञान और स्वास्थ्य सुरक्षा के समन्वय का यह उदाहरण आने वाले वर्षों में भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

डीडी किसान से देशभर में पहुंचेगा प्रधानमंत्री मोदी का योग संदेश

विनोद कुमार सिंह "तकियावाला", स्वतंत्र पत्रकार

» अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बीएसएफ जवानों के साथ योग का संदेश देंगे विश्व चैंपियन संदीप आर्या और योग गुरु आचार्य प्रतिष्ठा

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वस्थ भारत-समर्थ भारत' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से डीडी किसान चैनल आज प्रातः 8 बजे विशेष कार्यक्रम 'योगा फॉर नेशन' का प्रसारण करेगा। योग को जनांदोलन बनाने की दिशा में यह कार्यक्रम देश के किसानों, ग्रामीण समुदाय, युवाओं तथा आम नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। विशेष कार्यक्रम में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों की प्रेरक सहभागिता रहेगी। देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवान योग के माध्यम से अनुशासन, मानसिक दृढ़ता और शारीरिक क्षमता का संदेश देंगे।कार्यक्रम में सूर्य नमस्कार के विश्व चैंपियन संदीप आर्या तथा प्रसिद्ध योग गुरु आचार्य प्रतिष्ठा योग के विविध आयामों, उसके वैज्ञानिक महत्व और दैनिक जीवन में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालेंगे।उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सतत प्रयासों के परिणाम स्वरूप वर्ष 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है।आज योग केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं,बल्कि विश्वभर में स्वास्थ्य, संतुलन और समग्र कल्याण का माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी लगातार योग को स्वस्थ जीवन, तनावमुक्त समाज और राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताते रहे हैं। डीडी किसान चैनल के हेड ऑफ प्रोग्राम (एडीपी) विनोद कुमार ने कहा कि योग भारत की हजारों वर्षों पुरानी ज्ञान परंपरा का अमूल्य उपहार है। उन्होंने कहा कि आज जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं, तब योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन और सकारात्मक जीवन दृष्टि प्रदान करता है। डीडी किसान चैनल जनहित,स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में योगासन,प्राणायाम और सूर्य नमस्कार के व्यावहारिक पहलुओं को सरल ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा,जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के दर्शक लाभान्वित हो सकें।चैनल का मानना है कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को स्वस्थ,आत्मविश्वासी और ऊर्जावान बनाता है, जिससे परिवार, समाज और राष्ट्र सभी को लाभ मिलता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रसारित होने वाला यह विशेष कार्यक्रम 'योगा फॉर नेशन' केवल एक टीवी कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संदेश लेकर आएगा।

कार्यक्रम विवरण
चैनल : डीडी किसान
कार्यक्रम : Yoga For Nation
दिनांक : 21 जून 2026 (रविवार)
समय : प्रातः 8:00 बजे

योग मानव जीवन की समस्याओं का समाधान और आत्मिक उत्कर्ष का मार्ग

लेखक - कांतिलाल मांडोत

प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि मानव जीवन को स्वस्थ, संतुलित और सार्थक बनाने की एक वैश्विक चेतना का प्रतीक है। योग भारत की प्राचीन संस्कृति की वह अमूल्य धरोहर है जिसने आज विश्व के करोड़ों लोगों को शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा के बाद योग की महत्ता और भी अधिक बढ़ी है तथा आज दुनिया का लगभग हर देश इसकी उपयोगिता को स्वीकार कर रहा है। वर्तमान समय का मनुष्य अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझ रहा है। जीवन की भागदौड़, प्रतिस्पर्धा, तनाव, असुरक्षा, आर्थिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएँ उसे निरंतर मानसिक रूप से विचलित करती रहती हैं। कभी शरीर रोगों से ग्रस्त होता है तो कभी मन चिंता, अवसाद और असंतोष से भर जाता है। व्यक्ति एक समस्या का समाधान खोजता है तो दूसरी उसके सामने खड़ी हो जाती है। परिणामस्वरूप उसका जीवन तनाव, भय, निराशा और मानसिक द्वंद्व का शिकार बन जाता है। आज अधिकांश लोग सुख की तलाश में हैं, परंतु वास्तविक सुख उनसे दूर होता जा रहा है। बाहरी उपलब्धियों के बावजूद भीतर शांति का अभाव दिखाई देता है। ऐसे समय में योग एक प्रकाश स्तंभ की भाँति मनुष्य को सही दिशा प्रदान करता है। योग व्यक्ति को समस्याओं से भागना नहीं सिखाता, बल्कि उनका संतुलित और सकारात्मक ढंग से सामना करना सिखाता है।योग का वास्तविक स्वरूप योग का सामान्य अर्थ जोड़ या मिलन है। भारतीय दर्शन के अनुसार योग आत्मा और परमात्मा के मिलन की प्रक्रिया है। यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और अनुशासित बनाने वाली एक समग्र साधना है। योग शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। महर्षि पतंजलि ने योग को चित्तवृत्ति निरोध कहा है, अर्थात मन की चंचल वृत्तियों को नियंत्रित करना। जब मन स्थिर और शांत होता है, तब व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान पाता है। यही योग का मूल उद्देश्य है। योग व्यक्ति को बाहरी संसार के साथ-साथ अपने अंतर्जगत को समझने की प्रेरणा देता है। स्वास्थ्य और योग का गहरा संबंध है।आज चिकित्सा विज्ञान भी स्वीकार करने लगा है कि अनेक रोगों का संबंध केवल शरीर से नहीं, बल्कि मन और जीवनशैली से भी होता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, अनिद्रा, चिंता और अवसाद जैसी अनेक समस्याएँ तनाव और असंतुलित जीवन का परिणाम हैं। योग इन समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर सामने आया है। योगासन शरीर को लचीला, सशक्त और स्वस्थ बनाते हैं। प्राणायाम श्वास-प्रश्वास को नियंत्रित कर शरीर में ऊर्जा का संतुलन स्थापित करता है। ध्यान मन को शांत और एकाग्र बनाता है। नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति स्वयं को अधिक ऊर्जावान अनुभव करता है। प्राचीन भारत में योग जीवन का अभिन्न अंग था। उस समय लोगों का स्वास्थ्य प्राकृतिक जीवनशैली और योगाभ्यास पर आधारित था। आधुनिक युग में भी योग उसी परंपरा को पुनर्जीवित कर रहा है तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

तनावमुक्त जीवन का आधार- वर्तमान युग को तनाव का युग कहा जाता है। भौतिक सुविधाओं में वृद्धि होने के बावजूद मनुष्य मानसिक रूप से अधिक अशांत होता जा रहा है। जीवन की जटिलताओं ने उसे भीतर से कमजोर बना दिया है। ऐसे वातावरण में योग तनावमुक्त जीवन का सबसे प्रभावी साधन सिद्ध हुआ है। योग व्यक्ति को वर्तमान क्षण में जीना सिखाता है। यह मन को अनावश्यक चिंताओं और नकारात्मक विचारों से मुक्त करता है। जब मन शांत होता है तो निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है, आत्मविश्वास विकसित होता है और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न होता है। योग केवल शरीर को स्वस्थ नहीं बनाता, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी प्रदान करता है। व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। योग का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करता है। नियमित योगाभ्यास से आत्मानुशासन, धैर्य, सहनशीलता, एकाग्रता और आत्मविश्वास का विकास होता है। व्यक्ति अपने भीतर छिपी हुई शक्तियों को पहचानने लगता है। योग हमें सिखाता है कि वास्तविक शक्ति बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि हमारे भीतर निहित है। जब मनुष्य अपने अंतर्मन से जुड़ता है, तब उसके भीतर सकारात्मक परिवर्तन प्रारंभ होते हैं। उसके विचार, व्यवहार और दृष्टिकोण में परिष्कार आता है। यही कारण है कि योग को व्यक्तित्व रूपांतरण का माध्यम कहा जाता है। विश्व में योग की लोकप्रियता बढ़ रही है। एक समय था जब योग केवल भारत तक सीमित माना जाता था, किंतु आज इसकी लोकप्रियता विश्वव्यापी हो चुकी है। अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और एशिया के अनेक देशों में योग केंद्र स्थापित हो चुके हैं। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों और चिकित्सा संस्थानों में योग को अपनाया जा रहा है। विदेशी समाज भौतिक रूप से समृद्ध होने के बावजूद मानसिक शांति की खोज में योग की ओर आकर्षित हुआ है। अनेक विदेशी भारत आकर योग का अध्ययन करते हैं और इसकी गहन साधना से लाभान्वित होते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति का प्रमाण है कि उसकी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा आज विश्व का मार्गदर्शन कर रही है। सामाजिक जीवन में योग की भूमिका अहम मानी जाती है। योग केवल व्यक्तिगत कल्याण का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी माध्यम है। समाज में बढ़ते अपराध, हिंसा, नशाखोरी और नैतिक पतन के मूल में मानसिक असंतुलन और आत्मसंयम का अभाव है। योग व्यक्ति में आत्मनियंत्रण, करुणा, सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों का विकास करता है। जब व्यक्ति का मन संतुलित होता है तो उसका व्यवहार भी संतुलित हो जाता है। योग परिवार, समाज और राष्ट्र के बीच सकारात्मक संबंधों को मजबूत करता है। यह मानवता, सहयोग और सद्भाव की भावना को विकसित करता है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी आधार है। अध्यात्म की ओर ले जाने वाला मार्ग है।योग का अंतिम उद्देश्य केवल रोगों से मुक्ति नहीं, बल्कि आत्मबोध और आत्मिक विकास है। यह मनुष्य को भौतिकता से ऊपर उठाकर आध्यात्मिक चेतना की ओर ले जाता है। योग के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित अनंत संभावनाओं और दिव्य शक्तियों का अनुभव कर सकता है।

पुरानी दिल्ली के संकरी गलियों में ज्ञान का दीपक जलाने वाला

विवेक शुक्ला

दिल्ली-6 की संकरी गलियों और अजमेरी गेट के ऐतिहासिक एंग्लो-अरेबिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की शताब्दियों पुरानी इमारत में एक शिक्षक रोजाना विज्ञान की कक्षाएं लेता हैं, लेकिन उसकी कहानी कक्षा तक सीमित नहीं है। मकसूद अहमद स्कूल की चार दीवारों से आगे निकलकर गरीब बच्चों के लिए आशा की किरण बने हैं। वे एंग्लो-अरेबिक स्कूल में जीव विज्ञान पढ़ाते हैं और शाम को सुईवालान में अल्लामा रफीक ट्रस्ट के तहत मुफ्त कोचिंग चलाते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं। उनका जीवन समर्पण, संघर्ष और सामाजिक जिम्मेदारी का अनुपम उदाहरण है। मकसूद अहमद का जन्म पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शामली में हुआ। वे 1992 में एंग्लो-अरेबिक स्कूल में शामिल हुए, जो 1696 में मदरसा गाजीद्दीन के रूप में स्थापित हुआ था। यह स्कूल दिल्ली का सबसे पुराना शैक्षणिक संस्थान है। यहां ही उर्दू कवि अख्तर उल इमान, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. ए.एन. कौल जैसे गणमान्य व्यक्तिय पढ़े हैं। इस स्कूल में मुख्य रूप से कामकाजी और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चे ही पढ़ते हैं। कक्षा में मकसूद अहमद छात्रों के बीच जटिल जैविक अवधारणाओं को सरल बनाने और जिज्ञासा जगाने के लिए प्रसिद्ध हैं। वे कहते हैं कि शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन बदलने का माध्यम है। स्कूल में कुछ साल पढ़ाने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि केवल स्कूल की पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। कई बच्चे आर्थिक तंगी के कारण आगे नहीं बढ़ पाते। कुछ साल पहले उन्होंने सुईवालान में छोटी जगह लेकर शाम की कक्षाएं शुरू कीं। शुरू में यह छोटा प्रयास था, लेकिन धीरे-धीरे यह अल्लामा रफीक ट्रस्ट में बदल गया, जिसमें मित्रों का सहयोग शामिल हुआ। ट्रस्ट अब शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास के क्षेत्र में काम करता है। मकसूद अहमद मुफ्त कोचिंग देते हैं। यहां गरीब परिवारों के बच्चे आते हैं। इनमें रिक्शा चालक, दर्जी, दुकानदार या मजदूरों के बेटे-बेटियां आईआईटी-जेईई, बैंक पीओ और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। निजी कोचिंग संस्थानों में जहां हजारों रुपये खर्च होते हैं, वहां ये बच्चे बिना किसी आर्थिक बोझ के पढ़ते हैं। वे बच्चों को स्टडी मटेरियल भी उपलब्ध करवा देते देते हैं। वे कहते हैं- "प्रतिभा हर जगह बराबर बंटी है, लेकिन अवसर नहीं।" अब तक उनके प्रयासों से 30 से अधिक छात्रों ने मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य प्रतियोगी कोर्स में सफलता पाई है। जामा मस्जिद और सीता राम बाजार के आसपास के मोहल्लों से कई बच्चे डॉक्टर और इंजीनियर बन चुके हैं। पूर्व छात्र डॉ. जायद अहमद (तिब्बिया आयुर्वेदिक एंड यूनानी कॉलेज) कहते हैं, "स्कूल में सर ने जीव विज्ञान पढ़ाया और फिर मेडिकल एंट्रेंस की तैयारी के लिए कोचिंग दी। वे पुरानी और महान शिक्षण परंपरा के प्रतीक हैं।" मकसूद अहमद की दिनचर्या कमाल की है। स्कूल के बाद शाम को कोचिंग, देर रात तक डाउट क्लियरिंग सत्र। वे अपनी पत्नी और दोस्तों को श्रेय देते हैं, जिन्होंने हमेशा साथ दिया। वे लाइब्रेरी, वोकेशनल ट्रेनिंग, मेडिकल कैंप और स्व-अध्ययन केंद्र भी चलाते हैं। दिल्ली एजुकेशन सोसाइटी की सेक्रेटरी प्रो. केहकशां दानियाल जैसे सहयोगियों का समर्थन उन्हें प्रोत्साहित करता है। पुरानी दिल्ली की चुनौतियां कम नहीं हैं।भीड़भाड़, सीमित संसाधन, आर्थिक दबाव और खासकर लड़कियों की शिक्षा से जुड़ी सामाजिक बाधाएं। फिर भी मकसूद अहमद जैसे शिक्षक पूरे समुदाय को प्रभावित करते हैं। वे न केवल ज्ञान देते हैं बल्कि आत्मविश्वास और सपने भी जगाते हैं। आज जब शिक्षा महंगाई और व्यावसायीकरण की चपेट में है, मकसूद अहमद जैसे शिक्षक याद दिलाते हैं कि सच्चा शिक्षक वह है जो दीवारें तोड़कर पहुंचता है। उनकी कहानी पुरानी दिल्ली की गलियों में ज्ञान के दीये की तरह जल रही है, जो आने वाली पीढ़ियों को रोशन करेगी। वे साबित करते हैं कि एक समर्पित शिक्षक पूरे समाज का भविष्य बदल सकता है। मकसूद अहमद राजघाट और शांतिवन पर होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का भी स्थायी चेहरा हैं। वे वर्षों से महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्तूबर) और बलिदान दिवस (30 जनवरी) तथा अन्य विशेष सरकारी अवसरों पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भाग लेते। वे इन सभाओं में कुरआन की आयतें पढञते हैं। वे कहते हैं कि सर्वधर्म प्रार्थना का विचार स्वयं महात्मा गांधी ने दुनिया को दिया था। उनके जीवनकाल में ही यह प्रथा शुरू हो गई थी और आज भी यह परंपरा जीवित है। ये सभाएं न केवल गांधीजी के सत्य, अहिंसा और सर्वधर्म समभाव के आदर्शों को जीवंत रखती हैं, बल्कि भारत की धर्मनिरपेक्षता और एकता की मिसाल भी पेश करती हैं। मकसूद अहमद के.आर. नारायणन, प्रणव मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर आयोजित प्रार्थना सभाओं में भी शामिल हुए हैं।

डिफेंडर ने किया डिफेंड

'सिर्फ एक खिलाड़ी की आलोचना नहीं होनी चाहिए',

न्यूयॉर्क । फीफा वर्ल्ड कप 2026 में डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की काफी आलोचना हुई। रोनाल्डो टीम के पहले मुकाबले में पूरी तरह से बेअसर दिखाई दिए। हालांकि, पुर्तगाल के डिफेंडर रूबेन डायस ने रोनाल्डो का बचाव किया है। रूबेन ने रोनाल्डो पर भरोसा जताते हुए कहा कि आलोचना सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं की जानी चाहिए। डीआर कांगो के खिलाफ

रोनाल्डो के पास 25 बार गेंद आई, लेकिन वह टारगेट पर शॉट लगाने, टीम के साथी को असिस्ट करने या ड्रिबल की कोशिश में विरोधी को हराने में नाकाम रहे। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, पुर्तगाल को आक्रमण में अधिक तेज और फुर्तीला खिलाड़ी उतारने से फायदा मिल सकता था। हालांकि, डायस ने कहा कि टीम अभी भी 41 वर्षीय स्टार खिलाड़ी पर पूरा भरोसा करती है, जो अपने करियर का छठा वर्ल्ड कप फाइनल खेल रहे हैं। डियास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए बताया, 'क्रिस्टियानो रोनाल्डो, बेशक, मीडिया के उस प्रेशर से निपटने के आदी हैं जिसका हम आमतौर पर क्लब, राष्ट्रीय टीम, विश्व टूर्नामेंट और यूरोपीय प्रतियोगिता में सामना करते हैं। इस तरह की प्रतियोगिता में यह कभी भी परफेक्ट नहीं होगा।'

डिफेंडर ने कहा कि आलोचना केवल एक खिलाड़ी की नहीं होती। क्रिस्टियानो रोनाल्डो सबसे ज्यादा चर्चा में रहते हैं, इसलिए उन पर ज्यादा ध्यान जाता है, लेकिन पूरी टीम इसकी जिम्मेदार होती है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है, क्योंकि टीम के साथ ऐसा पहले भी होता रहा है और आगे भी होता रहेगा। उन्होंने आगे कहा, 'आलोचना हमारे लिए ज्यादा मायने नहीं रखती।

यात्राओं पर रोक की फीफा से शिकायत करेगा ईरान

तेहरान । ईरान के फुटबॉल फेडरेशन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान सह-मेजबान अमेरिका द्वारा ईरान टीम पर लगाई गई यात्रा पाबंदियों पर निराशा जताई है। इस मामले पर गवर्निंग बॉडी ने फीफा में आधिकारिक तौर पर शिकायत करने का फैसला किया है। ईरान के खिलाड़ियों को मैच से एक दिन पहले ही अमेरिका आने की इजाजत है। उन्हें अपने वीजा की शर्तों के तहत मैच वाले दिन ही देश छोड़ना होगा। ये शर्त ईरान के बेल्जियम खिलाफ होने वाले अगले मैच में घातक हो सकता है। ईरान के फुटबॉल फेडरेशन ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, 'हमारा मानना है कि इस तरह की पाबंदियां सभी हिस्सा लेने वाली टीमों को बराबर माहौल देने के नियम के खिलाफ हैं और टीमों की तैयारी की प्रक्रिया पर बुरा असर डाल सकती हैं। फेडरेशन आधिकारिक तौर पर अपनी नाराजगी जाहिर करेगा और सही तरीकों से फीफा में आधिकारिक तौर पर फीफा से शिकायत करेगा।' फेडरेशन ने कहा, 'इन दिक्कतों के बावजूद, ईरान की नेशनल टीम अपनी तैयारी जारी रखेगी और बेल्जियम के खिलाफ अपने आने वाले मैच पर पूरा फोकस रखेगी।' इससे पहले, ईरान के कोच आमिर घालेनोई ने कहा था कि लॉस एंजिल्स में न्यूजीलैंड के साथ अपने शुरुआती गेम में 2-2 से ड्रॉ के बाद वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा दबाव में हैं। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में घालेनोई ने कहा था, हमारी टीम को अचानक बताया गया कि उन्हें लॉस एंजिल्स में मैच के तुरंत बाद मेक्सिको लौटना होगा। हमें प्लेन में बैठकर तिजुआना में अपने कैंप में लौटने के लिए कहा गया है, और हम इससे सच में परेशान हैं।

ब्राजील ने हैती को 3-0 से हराया

ऑस्ट्रेलिया को हरा अमेरिका अगले राउंड में पहुंचा

नई दिल्ली। मोरक्को के खिलाफ अपने पहले मैच में निराशाजनक ड्रॉ के बाद, ब्राजील ने फिलाडेल्फिया में हैती को 3-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज की। सेलेसाओ (ब्राजील की टीम) ने शुरुआत से ही इस मैच में दबदबा बनाए रखा और उन्हें लगा कि राफिन्हा ने उन्हें शुरुआती बढ़त दिला दी है, लेकिन ऑफसाइड होने के कारण गोल को अमान्य करार दिया गया। 23वें मिनट में उनके दबाव का आखिरकार फायदा मिला, जब बॉक्स के अंदर हुई गहमागहमी के बाद मैथियस कुन्हा ने गोल कर दिया। कुन्हा ने 36वें मिनट में ब्राजील की बढ़त को दोगुना कर दिया और विनीसियस जूनियर के पास पर उन्होंने तेजी से जवाबी हमला करते हुए गोल किया। इसके बाद रियल मैड्रिड के इस स्टार खिलाड़ी ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में खुद भी गोल किया उन्होंने लुकास पाक्वेटा के पास पर तेज़ी से दौड़ लगाई और शांति से जॉनी प्लासिड को छकाते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया।

यूएसए ने अगले दौर में बनाई जगह

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में मेजबान टीम अमेरिका का शानदार प्रदर्शन जारी है और इस टीम ने ग्रुप डी के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हरा दिया और अगले दौर यानी राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की कर ली। सिएटल स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलिया पर अटैक करना शुरू कर दिया था। उन्होंने मैच के पहले हाफ में ही दो गोल दागकर ऑस्ट्रेलिया को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया था। खेल के 11वें मिनट में ही अमेरिका ने अपना पहला गोल किया और बढ़त को 1-0 कर दिया जिसके बाद से ही ऑस्ट्रेलियाई टीम और दबाव में नजर आई। इसके बाद पहले हाफ खत्म होने से ठीक पहले अमेरिका ने अपनी बढ़त को 2-0 कर लिया। मैच के 43वें मिनट में सर्जिनो डेस्ट ने गोल करने का एक बेहतरीन प्रयास किया। इसी दौरान मिले एक मौके का फायदा उठाते हुए एलेक्स फ्रीमैन ने डी-बॉक्स के अंदर से एक शानदार हेडर लगाया और गेंद को सीधे गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इस तरह हाफ-टाइम तक अमेरिका 2-0 से आगे हो गया। अगले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई और अमेरिका (यूएसए) को जीत मिली।

मेक्सिको ने साउथ कोरिया को 1-0 से हराया

नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

नई दिल्ली । मेक्सिको ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट चरण में अपनी जगह बना ली है। ग्वाडलाहारा के एक्रोन स्टेडियम में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में मेक्सिको ने साउथ कोरिया को 1-0 से हराते हुए राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की की। मैच की शुरुआत से ही मेक्सिको का गेंद पर ज्यादा कंट्रोल देखने को मिला। हालांकि, साउथ कोरिया ने भी धीरे-धीरे मैच में अपनी पकड़ बनाई। दोनों टीमों की तरफ से आक्रामक खेल देखने को मिला, लेकिन पहले हाफ में कोई भी टीम गोल करने में नाकाम रही। मेक्सिको और साउथ कोरिया के डिफेंस ने पहले हाफ में दमदार प्रदर्शन किया। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत के साथ ही मेक्सिको मैच में 1-0 की बढ़त हासिल करने में सफल रही। मेक्सिको के लिए मैच का पहला गोल 50वें मिनट में लुईस रोमो ने दागा। गुटिएरेज के बेहतरीन थ्रू बॉल का फायदा उठाते हुए लुईस ने शानदार शॉट के साथ गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया। इस गोल के साथ ही मेक्सिको के घरेलू समर्थक भी झूम उठे। हालांकि, इसके बाद साउथ कोरिया ने कई हमले किए, लेकिन वह मेक्सिको के डिफेंस को नहीं भेद सका। मैच के अंतिम क्षणों में साउथ कोरिया गोल करने के बेहद करीब था, लेकिन मेक्सिको के गोलकीपर रेंगल ने शानदार बचाव करते हुए टीम की बढ़त को बरकरार रखा।

कम सैलरी में दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़ेंगे पंत

● युवराज को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी, लखनऊ जाएंगे कुलदीप यादव

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के खत्म हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है, लेकिन कई बड़े बदलाव के संकेत अभी से ही मिलने लगे हैं। इसमें सबसे अहम नाम लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत का है साथ ही इसमें कुलदीप यादव और युवराज सिंह जैसे कुछ बड़े नाम नाम भी शामिल है। क्रिकबज के मुताबिक ऋषभ पंत की फिर से दिल्ली कैपिटल्स में वापसी होने वाली है जहां नया मैनेजमेंट स्ट्रक्चर लागू होने की उम्मीद है। दिल्ली कैपिटल्स की कमान अगले दो साल तक अब पार्थ जिंदल की छ्स्ड्ड कंपनी के पास रहने वाली है ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ के साथ एक ट्रेड शुरू किया है। इस समझौते के तहत पंत दिल्ली कैपिटल्स में वापसी करेंगे। वे 2025 आईपीएल नीलामी से पहले रिलीज किए जाने से पहले नौ सीजन तक इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे थे। इस ट्रेड में कुलदीप यादव लखनऊ जाएंगे। खिलाड़ियों के इस अदला-बदली से पंत और कुलदीप दोनों की ही एक तरह से घर वापसी होगी। इस लेन-देन की सटीक जानकारी अभी नहीं मिली है लेकिन यह पक्का है कि इस बदलाव के तहत पंत की सैलरी में काफी कटौती होगी।

15 करोड़ हो सकती है पंत की सैलरी- पंत के ट्रेड में सबसे बड़ी रुकावट उनकी 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड-तोड़ सैलरी थी। किसी भी फ्रेंचाइजी के लिए इतनी ज्यादा फीस वाले खिलाड़ी को टीम में शामिल करना तुरंत मुमकिन नहीं था। पता चला है कि पंत इस बदलाव को आसान बनाने के लिए अपनी प्राइस कम करने को तैयार हो गए हैं ठीक वैसे ही जैसे पिछले सीजन में राजस्थान रॉयल्स से जुड़ते समय रविंद्र जडेजा ने किया था। माना जा रहा है कि पंत की नई फीस उनकी मौजूदा सैलरी के आधे से थोड़ी ज्यादा होगी। सूत्रों के मुताबिक यह विकेटकीपर-बल्लेबाज लगभग 15 करोड़ रुपये की फीस पर सहमत हो गया है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स में कुलदीप की फीस 13.25 करोड़ रुपये ही बनी रहेगी। माना जा रहा है कि इस ट्रेड से जुड़े कागजात मंजूरी के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पास हैं।

जुड़ सकते हैं युवराज सिंह

इस बीच ये भी खबर सामने आई है कि युवराज सिंह दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग टीम में शामिल होंगे। छ्स्ड्ड के मैनेजमेंट संभालने के साथ ही, सौरव गांगुली क्रिकेट मामलों के हेड के तौर पर टीम में लौट रहे हैं और माना जा रहा है कि उन्होंने ही भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनाया है। गांगुली की वापसी के बाद भी पिछले दो सीजन से टीम के हेड कोच रहे हेमांग बदानी भी टीम के साथ शायद बने रहेंगे। बदानी और कप्तान अक्षर पटेल की अगुवाई में दिल्ली कैपिटल्स हाल ही में खत्म हुए सीजन में छठे स्थान पर रही थी। टीम ने सीजन की शुरुआत तो जबरदस्त की थी, लेकिन सीजन के दूसरे हाफ में उनकी लय बिगड़ गई और आखिर में वे प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाए।

व्यापार

पाकिस्तान की जिस एफएटीएफ से कांपती है रूह

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल मंच पर भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स का उपाध्यक्ष चुना गया है। यह पहली बार है जब भारत इस टॉप लीडरशिप पोजिशन को संभालेगा।

इस अहम नियुक्ति से एक भारतीय अधिकारी उस प्रमुख वैश्विक संस्था का नेतृत्व करेंगे जो मनी लॉन्ड्रिंग और टेररिस्ट फाइनेंसिंग (आतंकवाद के लिए फंडिंग) के खिलाफ लड़ाई के लिए मानक तय करती है।

यह 200 से ज्यादा अधिकार-क्षेत्रों में भारत की ओर से बनाए गए भारी भरोसे और विश्वसनीयता को दिखाता है। साथ ही, यह डिजिटल पेमेंट और वर्चुअल एसेट्स जैसे उभरते जोखिमों पर ग्लोबल पॉलिसी बनाने में भारत की सक्रिय भूमिका को भी उजागर करता है। यह उपलब्धि भारत की संस्थागत मजबूती और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ईमानदारी के प्रति साझा प्रतिबद्धता में वैश्विक समुदाय के भरोसे को रेखांकित करती है।

उसका वाइस-प्रेसीडेंट बना भारतीय

पाकिस्तान के लिए बुरी खबर

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स से पाकिस्तान की रूह कांपती है। इसकी सबसे बड़ी वजह उसकी खराब आर्थिक स्थिति और वैश्विक बदनामी है। एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो टेरर फंडिंग (आतंकवाद को पैसा मिलना) और मनी लॉन्ड्रिंग (काले धन को वैध बनाना) पर नजर रखती है।

पाकिस्तान पहले भी कई बार इसकी 'ग्रे लिस्ट' में रह चुका है। जैसे 2018 से 2022 तक। कोई देश इस लिस्ट में आता है या फिर 'ब्लैक लिस्ट' होने के कगार पर पहुंच जाता है तो उसके लिए पूरी दुनिया से आर्थिक तौर पर कट जाने का खतरा पैदा हो जाता है।

अंतरराष्ट्रीय कर्ज मिलने में होती है मुश्किल

किसी देश को 'ग्रे लिस्ट' या 'ब्लैक लिस्ट' में डालता है तो (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष), वर्ल्ड बैंक और (एशियन डेवलपमेंट बैंक) जैसी वैश्विक संस्थाएं उसे कर्ज देने पर कड़ी शर्तें लगा देती हैं या लोन रोक देती हैं।

विदेशी निवेश का सूखा

कोई भी विदेशी कंपनी या देश ऐसे देश में पैसा निवेश नहीं करना चाहता जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय रूप से 'असुरक्षित' या 'संदिग्ध' माना गया हो। ग्रे लिस्ट में होने से उस देश की रेटिंग गिर जाती है। इससे विदेशी निवेशक वहां से अपना पैसा निकाल लेते हैं या नया निवेश बिल्कुल बंद कर देते हैं।

बैंकिंग सिस्टम पर पाबंदियां

जब कोई देश की रडार पर होता है तो पूरी दुनिया के बैंक उस देश के साथ होने वाले वित्तीय लेनदेन को बहुत शक की नजर से देखते हैं।

कौन हैं विवेक अग्रवाल: 1 जून 1971 को जन्मे विवेक अग्रवाल मध्य प्रदेश कैडर के 1994 बैच के अधिकारी हैं। उनके पास कॉमर्स और लॉ की डिग्रियां हैं। वह 18 अप्रैल 2025 से संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली में सचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। इससे पहले वह कई अहम पदों पर रह चुके हैं। इनमें अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव, प्रबंध निदेशक, आयुक्त और प्रधान सचिव और जिला कलेक्टर जैसे पद शामिल हैं।

फिर घटा विदेशी मुद्रा भंडार, सोने के भंडार में भारी कमी

मुंबई, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में इस बार तगड़ी वाली गिरावट देखी गई है। एक ही सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार से करीब 10 अरब डॉलर निकल गए। इससे एक सप्ताह पहले इसमें गिरावट हुई थी। इस सप्ताह जो अपना भंडार जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में बढ़ोतरी हुई है। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी

घटा है, उसकी मुख्य वजह सोने के मूल्य में गिरावट है।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 12 जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट कर रह गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार के ऑल टाइम हाई पर था।

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 12 असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के दाम काफी गिरे हैं। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में भारी गिरावट हुई है। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू घट कर रह गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का था।

अच्छी खासी नौकरी छोड़कर लौटे गांव तो सब थे हैरान, फिर स्टोरी में ट्विस्ट, अब 43 करोड़ सालाना की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। गोविंद यादव ने मिसाल पेश की है। वह उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में एक छोटे से गांव के रहने वाले हैं। (भारतीय प्रबंधन संस्थान) से पढ़े गोविंद ने अच्छी खासी नौकरी छोड़कर अपने गृह जिले औरैया की पारंपरिक पहचान को देश के सामने पेश किया है। उन्होंने 2022 में अपना ब्रांड शुरू किया था। इसका नाम 'अकल्पम' है। आज यह सफल (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) सर्टिफाइड शुद्ध देसी घी ब्रांड बन चुका है। इसने 2025-26 में 43 करोड़ रुपये का सालाना रेवेन्यू हासिल किया। आइए, यहां गोविंद यादव की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

डेयरी फार्मिंग के बीच बीता बचपन: गोविंद यादव का जन्म यूपी के औरैया जिले के बेला गांव में हुआ। उनका बचपन डेयरी फार्मिंग, पशुपालन और घरों में पारंपरिक तरीके से घी बनते हुए बीता। वह अच्छी तरह जानते थे कि असली डेयरी प्रोडक्ट का स्वाद और सुगंध कैसी होती है। स्कूली शिक्षा के बाद गोविंद ने अपनी हायर एजुकेशन मैनेजमेंट के क्षेत्र में जारी रखी। उन्होंने आईआईएम काशीपुर से मैनेजमेंट की पढ़ाई की। इसके बाद आईआईएम अहमदाबाद से फाइनेंशियल मैनेजमेंट में एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम पूरा किया। पढ़ाई के बाद गोविंद ने फूड टेस्टिंग, फूड एक्सपोर्ट, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे सेक्टरों में कॉर्पोरेट जॉब की। इस एक्सपीरियंस ने उन्हें सिखाया कि एक संगठित बिजनेस कैसे काम करता है। क्वालिटी सिस्टम को कैसे मेनटेन किया जाता है।

ऐसे डाली अपने ब्रांड की नींव

गोविंद ने जब शहरों में रहना शुरू किया तो उन्होंने एक फर्क महसूस किया। उन्होंने पाया कि बाजार में 'प्रीमियम' या 'पारंपरिक बिलोना' के नाम पर बिकने वाला घी असल में वैसा नहीं था जैसा उन्होंने गांव में खाया था। बड़े ब्रांड्स का फोकस सिर्फ पैकेजिंग, स्पीड और लागत कम करने पर था। एक ऐसा घी देने के लिए जिस पर वे आंख बंद कर भरोसा कर सकें, गोविंद ने साल 2022 में अपने ब्रांड की शुरुआत की। उन्होंने जिले के स्थानीय किसानों के साथ मिलकर छोटे पैमाने पर काम शुरू किया। इसका मेन फोकस मार्केटिंग पर नहीं बल्कि शुद्धता और पारंपरिक प्रक्रिया पर था।

जब वह नौकरी छोड़कर गांव लौटे थे तो कई लोगों को हैरानी हुई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593 RNI No.: DELHIN/2008/23928
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)